विदेश नीति की ऊंची उड़ान

Dr. Syama Prasad Mookerjee Research Foundation

Research Assistance

Dasharath singh

Research Associate,

Dr. Syama Prasad Mookerjee Research Foundation

Govind Singh

Student at MCU

Edited by

Adarsh Tiwari

Abhay singh

Research Associate,

Dr. Syama Prasad Mookerjee Research Foundation

Layout by

Ajit Kumar Singh

Dr. Syama Prasad Mookerjee Research Foundation

Dr. Syama Prasad Mookerjee Research Foundation

9, Ashoka Road, New Delhi- 110001

Web :- www.spmrf.org, E-Mail: office@spmrf.org,

Phone:011-23005850

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन	*4*
भूमिका	*5*
प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं -2014	*6*
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं-2015	*18*
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं–2016	*45*
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं–2017	*60*
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं– 2018(मई तक)	*71*

प्राक्कथन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले साढ़े चार वर्षों में भारत को वैश्विक मंचों पर उल्लेखनीय कूटनीतिक सफलताएँ मिली हैं. उसी का परिणाम है कि समूचा विश्व आज भारत की तरफ़ आशा एवं सम्मान की नज़र से देख रहा है. प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक स्तर पर सामरिक, व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को एक नई दिशा दी हैं. अपने कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे देशों के दौरे किए, जहाँ दशकों से भारत का कोई प्रधानमंत्री नहीं गया था. इस कड़ी में प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक इजराइल दौरे का जिक्र करना समीचीन है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अभूतपूर्व उत्साह व्यक्त किया था. अपने स्वागत भाषण में भारत के प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करते हुए जब उन्होंने हिंदी में कहा, 'आपका स्वागत है मेरे दोस्त', यह समूचे भारत के लिए गौरव करने का क्षण था. नरेंद्र मोदी की सफल विदेश नीति का ही परिणाम है कि आज कई मोर्चों पर भारत की रैंकिंग में अप्रत्याशित सुधार देखने को मिल रहा है. प्रधानमंत्री ने भारत की जनता को कई बार वैश्विक मंचो से गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान किया है. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2018 में लगातार दो वैश्विक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए, जिसमें विश्व शांति हेतु सक्रिय विदेश नीति के लिए 'सियोल शांति पुरस्कार' तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा पर्यावरण बचाव के कार्यों के लिए नीति नेतृत्व के तहत 'चैंपियन ऑफ़ द अर्थ सम्मान' प्रमुख हैं. बहरहाल, आज देश मंम यह विमर्श खड़ा हुआ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं से भारत को क्या हासिल हुआ है. लिहाज़ा एक अहम बिंदु जिसकी चर्चा कम होती है, इसे समझने की जरूरत है. जब मोदी विदेश की यात्रा पर होते हैं, तो उस देश में रहने वाले अप्रवासी भारतीयों में एक ख़ास उल्लास नज़र आता है. प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के समय प्राय: वहाँ रहने वाले भारतीयों से मिलने का एक कार्यक्रम निर्धारित रहता है. नरेंद्र मोदी भी वहाँ रहने वाले अप्रवासी भारतीयों से आत्मीयता पूर्वक मिलते है. वे उन्हें भारत आमंत्रित तो करते ही हैं, साथ में भारत का उनसे क्या संबंध है इसको अनूठे ढंग से परिभाषित भी करते हैं. आज इस विमर्श के दौर में यह पुस्तिका लोगों को उपयोगी जानकारी देने में सहायक सिद्ध होगी. इसमें नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों में हुए महत्वपूर्ण समझौतों एवं दौरों को सरल भाषा में रेखांकित किया गया है. इस दस्तावेज़ को एकत्रित करना एक कठिन काम था, लेकिन डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी शोध अधिष्ठान ने इसे एकत्रित करके प्रकाशित करने का सराहनीय कार्य किया है. इसके लिए मैं अधिष्ठान को बधाई देता हूँ.

डॉ विजय चौथाईवाले

(प्रभारी, भाजपा विदेश विभाग प्रकोष्ठ)

भूमिका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी विदेश यात्राओं के द्वारा भारत की छवि को जो वैश्विक प्रतिष्ठा प्रदान की है, उसके पीछे उनकी कुशल कूटनीति तथा कठिन परिश्रम है. नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत व्यवहार शैली से भी कई देशों में अपनी कूटनीति का लोहा मनवाया है. आज समूचे विश्व में भारत की बढ़ती शक्ति का परचम लहरा रहा है. नरेंद्र मोदी ने न केवल सामरिक बल्कि सांस्कृतिक साझेदारी को भी महत्व दिया है, जिसके कारण प्रत्येक वैश्विक मंच पर भारत की साख मज़बूत हुई है. आज जब सरकार के साढ़े चार साल पूरे हो गये हैं, तो यह जानना आवश्यक है कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं से देश को क्या हासिल हुआ है. ऐसे में, 'डॉ श्यामा प्रसाद मुकर्जी शोध अधिष्ठान' प्रधानमंत्री की मई 2018 तक की सभी विदेश यात्राओं के दौरान हुए महत्वपूर्ण समझौतों, सम्मेलनों का एक विवरण इस ई-बुकलेट के माध्यम से प्रकाशित कर रहा है. उम्मीद है कि यह पुस्तिका पाठकों को नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति के बारे में प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी.

अशोक मुखर्जी
(पूर्व राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र में
भारत के स्थायी प्रतिनिधि)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं का संक्षिप्त विवरण

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं -2014

26 मई 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री का दायित्व संभाला था, उसी समय से नरेंद्र मोदी ने विदेश नीति को सुदृढ़ करने के इरादे से अपने शपथग्रहण समारोह में सार्क देशों के सभी राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित किया था. प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने एक विशेष रणनीति के तहत विदेश नीति को आगे बढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किया. प्रधानमंत्री पहली यात्रा ऐसे देश के साथ शुरू करना चाहते थे,जो भारत का अभिन्न मित्र हो और ऐसे उनकी नज़र में भूटान से बेहतर और कोई नहीं था. भूटान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील, नेपाल, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, म्यांमार,ऑस्ट्रेलिया और फ़िजी आदि देशों की यात्राएँ की. इस दौरान उन्होंने ऊर्जा, पर्यावरण, रक्षा, साइबर सुरक्षा तथा भारत में विदेशी निवेश के लिए अनेक समझौते किये. जिसके फलस्वरूप जीर्ण अवस्था में पड़ी हुई भारतीय अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने में सफल रहे. प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं से दुनिया के लोगों का भारत के प्रति नजरिये में सकारात्मक परिवर्तन आया है. प्रधानमंत्री मोदी ने हर विदेश दौरे पर वहाँ रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से भी संवाद स्थापित किया.

भूटान

प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने (16 से 17) जून 2014 के बीच अपनी पहली विदेश यात्रा भूटान से शुरू की1 भूटान लंबे समय से भारत का सबसे भरोसेमंद मित्र देश रहा है. स्वयं प्रधानमन्त्री मोदी भी यही चाहते थे कि अपनी पहली विदेश यात्रा सबसे भरोसेमंद मित्र देश से शुरू करें1 भूटान का 90% से भी अधिक व्यापार भारत के साथ होता है तथा भूटान को भारत आर्थिक सहायता भी देता है.

समझौते-

- दोनों देशों ने हाइड्रोपॉवर सहकार्य में 10,000 मेगावॉट का लक्ष्य हासिल करने की अपनी कटिबद्धता को दोहराया.
- भूटान के सुप्रीम कोर्ट का उद्घाटन और भारत एवं भूटान के संयुक्त उपक्रम, 600 मेगावॉट खोलोन्चु हाइड्रोपॉवर परियोजना की नींव रखी गई.
- भारतीय प्रधानमंत्री ने दूध के पाउडर, गेहूँ, खाद्य, तेल, अनाजों और गैर-बासमती चावल के निर्यात पर लगी पाबंदी से भूटान को छूट सहित अनेक उपायों और रियायतों की घोषणा की.
- प्रधानमंत्री ने भूटान के छात्रों को भारत में शिक्षा के लिए दी जा रही छात्रवृत्ति दोगुनी करने की घोषणा की (अब 2 करोड़ रुपये).
- भारत भूटान को डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने में भी सहयोग देगा जिससे भूटान के युवा बीस लाख पुस्तकों और पत्रिकाओं तक पहुँच सकेंगे.
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की बजाय 'सकल राष्ट्रीय खुशी' पर ज़ोर देने की भूटान की अनूठी विलक्षणता पर बात की और कहा कि इसे मापने के मापदंडों में से एक यह भी हो सकता है कि उसका ''भारत जैसा पड़ोसी'' है.

ब्राजील

प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई 2014 को ब्रिक्स के छठे शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राजील पहुंचे1 ब्राजील की राष्ट्रपति दिल्मा राउसेफ ने 6वीं ब्रिक्स् शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में ब्रासिलिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी की. राष्ट्रपति राउसेफ ने ब्रेकफास्ट पर अपनी बैठक से पूर्व राष्ट्रपति महल में पूरे सैन्य सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी की आगवानी की. भारत के लिए ब्राजील को एक अहम वैश्विक साझीदार करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दो लोकतांत्रिक और प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और ब्राजील के पास न सिर्फ द्विपक्षीय सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं. बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक दूसरे को मजबूत करने और विश्वभर में विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की संभावनाएं हैं.

समझौते–

- पर्यावरण के सहयोग पर दोनों देश सहमत हुए.
- भारत के द्वारा ब्राजील को उपग्रहों से डेटा प्राप्त करने और उसे प्रोसेस करने के लिए अर्थ स्टेशन के संवर्धन में सहयोग.
- दोनों नेता व्यापार एवं निवेश प्रवाह का और विस्तार करने एवं विविधता लाने तथा कृषि एवं डेयरी विज्ञान, परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान एवं अनुप्रयोग, रक्षा, साइबर सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने पर सहमत हुए.

नेपाल

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री श्री सुशील कोइराला के निमंत्रण पर 3–4 अगस्त, 2014 को नेपाल का आधिकारिक दौरा किया. भारत के प्रधानमंत्री की अगवानी एयरपोर्ट पर नेपाल के प्रधानमंत्री द्वारा की गई तथा उनका औपचारिक ढंग से स्वागत किया गया. दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत–नेपाल संबंधो की उत्कृष्ट स्थिति पर संतोष व्यक्त किया. जिसके तहत राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों का विशाल दायरा शामिल है.

समझौते–

- दोनों देशों के शासनाध्यक्षों ने सीमा विवाद को ख़त्म करने पर सहमति व्यक्त की.
- नेपाल को अपना इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए तथा उर्जा क्षेत्र में विकास के लिए एक अरब डॉलर के उदार ऋण देने की घोषणा की.
- भारत ने नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास में सहायता करने की घोषणा की.
- नेपाल को रोड और आईटी के क्षेत्र में सहयोग की घोषणा की.
- भारत नेपाल के बीच यात्रियों की सुचारु आवाजाही के लिए निर्धारित मार्गों, ट्रिपों और समय सारणी के अनुसार नियमित बस सेवा शुरु करने के लिए द्विपक्षीय मोटर व्हीकल समझौता हुआ.

जापान

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 अगस्त,2014 को जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचे तथा जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया . दोनों प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के बीच प्राचीन सांस्कृतिक तथा धार्मिक संपर्कों पर भी बातचीत की. दोनों नेता जापान की पुरानी राजधानी तथा प्रमुख बौद्ध मत केंद्र क्योटो शहर पहुंचे तथा जापान के प्रधानमंत्री सिंजो अबे ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया.

समझौते–

- भारत और जापान ने अपने संबंधों को 'सामरिक वैश्विक भागीदारी'से बढ़ाकर 'विशेष सामरिक वैश्विक भागीदारी' के स्तर पर ले जाने की घोषणा की.
- जापान ने अगले पांच साल में भारत में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में 34 अरब डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया.
- दोनों देश यूएस-2 नभ-जल विमान भारत को बेचने संबंधी वार्ता तेज करने भी सहमत हुए.
- जापान के प्रधानमंत्री शींजो आबे ने घोषणा की कि भारत-जापान सहयोग की मिसाल के तौर पर टोक्यो-भारत को वित्तीय, प्रौद्योगिकी और बुलेट ट्रेन के संचालन में सहयोग करेगा.
- दोनों पक्षों ने ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए साथ मिलकर काम करना जारी रखने की अपनी मंशा की फिर से पुष्टि की जिसमें ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा एवं भारत–जापान ऊर्जा वार्ता के माध्यम से कोर फायर्ड उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र शामिल हैं.
- दोनों पक्षों ने जेईएनईएसवाईएस 2.0 कार्यक्रम के तहततकरीबन 1300 युवाओं के आदान – प्रदान की चल रही योजना पर संतोष व्यंक्तर किया.

संयुक्त राज्य अमेरिका

24 सितंबर 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे की शुरुआत हुई. प्रधानमंत्री पद ग्रहण करने के बाद नरेन्द्र मोदी का ये पहला अमेरिका दौरा था. अपनी पहली द्विपक्षीय शिखर वार्ता में राष्ट्रपति ओबामा ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनाव में प्रधानमंत्री श्री मोदी की ऐतिहासिक विजय की सराहना की.दोनों नेताओं ने अमेरिका और भारत के बीच व्यापक रणनीतिक और वैश्विक भागीदारी की सराहना की.प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत को जिम्मेदार और प्रभावशाली विश्व शक्ति बनने की दिशा में अमेरिका उसका सैद्धांतिक भागीदार है, इसलिये भारत उसके साथ भागीदारी को अहमियत देता है.दोनों नेताओं ने स्वीकार किया कि द्विपक्षीय रिश्तों को दोनों देशों में जबरदस्त समर्थन प्राप्त है, जिसकी बदौलत सरकारें बदलने के बावजूद रणनीतिक भागीदारी फलती-फूलती रही है.

समझौते–

- इस बात को नोट करते हुए कि 2001 से दोतरफा व्यापार में पांच गुना वृद्धि हुई है तथा यह बढ़कर 100 बिलियन डॉलर के आसपास पहुंच गया है, राष्ट्रपति ओबामा तथा प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापार में और पांच गुना वृद्धि करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सहमत हुए.
- अमरीकी सरकार ने अजमेर(राजस्थान), विशाखापट्टनम(आंध्र प्रदेश), इलाहाबाद(उत्तर प्रदेश) में स्मार्ट शहरों के विकास में लीड पार्टनर बनने के लिए सहमति प्रदान की.
- उन्होंने वित्तीय संस्थाओं की निगरानी में साझेदारी के विस्तार का भी स्वागत किया, जिसमें भारतीय

रिजर्व बैंक तथा यूएस संघीय जमा बीमा निगम, संघीय रिजर्व व्यवस्था के शासी मंडल तथा मुद्रा नियंत्रक कार्यालय के बीच साझेदारी शामिल है.

ऊर्जा एवं जलवायु परिवर्तन-

- भारत में यूएस निर्मित परमाणु विद्युत संयंत्रों से बिजली पैदा करने के अपने साझे लक्ष्य को शीघ्रता से साकार करने के उद्देश्य से असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने पर एक संपर्क समूह का गठन किया.
- स्वच्छ उर्जा के लिए,जलवायु परिवर्तन तथा ग्रीनहाउस गैसों के उत्पादन को कम करने के लिए दोनों देश नई एवं परिवर्तित सामरिक साझेदारी पर सहमत हुए.
- जलवायु अनुकूलन की योजना बनाने के लिए क्षमता बढ़ाने हेतु जलवायु सोच के लिए एक नई भारत–यूएस साझेदारी तथा वायु की गुणवत्ता पर काम करने के लिए एक नया कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन तथा मानव स्वास्थ्य के लिए लाभ प्रदान करना है.

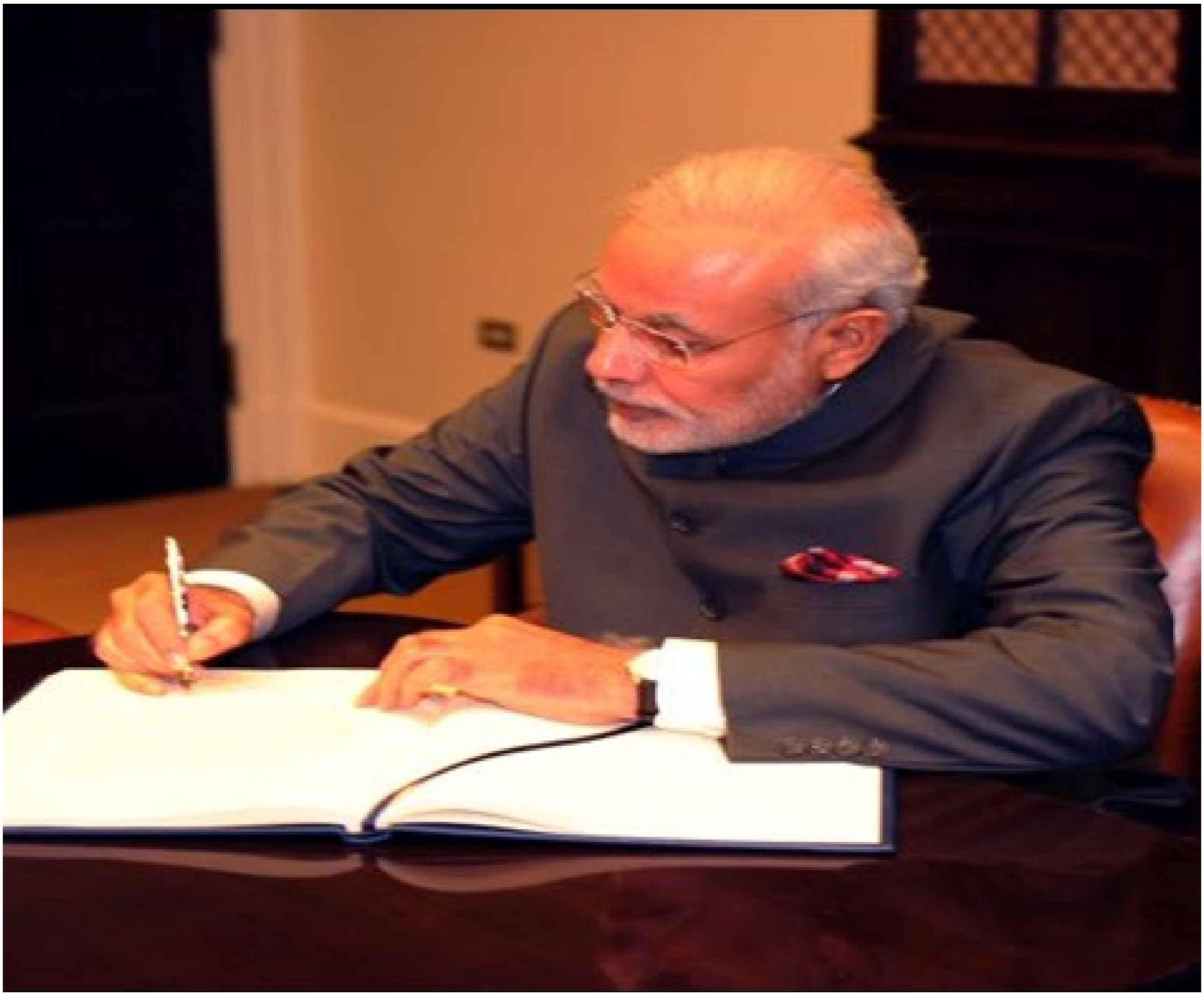

रक्षा एवं गृह सुरक्षा सहयोग-

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सैन्य प्रशिक्षण एवं सहयोग पर सहमत हुए.
- भारत द्वारा संचालित सैन्य विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग पर भी अमेरिका सहमत हुआ है.
- दोनों नेताओं ने आतंकवाद को जड़ से ख़त्म करने की प्रतिबद्धता जाहिर की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसी द्वारा भारत में फैलाए जा रहे आतंकवाद को रोकने की बात की तथा 2008 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को न्याय के कटघरे में लाने की बात की.
- नकली मुद्रा प्रसार को रोकने तथा साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों पर लगाम लगाने में भी अमेरिकी नेता ने सहयोग का वादा किया.

उच्च प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष तथा स्वास्थ्य सहयोग-

- राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डिजिटल इंडिया योजना में साझेदारी के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की.
- राष्ट्रपति ओबामा ने वैश्विक अकादमी नेटवर्क पहल (जीआईएएन ज्ञान) स्थापित करने संबंधी भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया.जिसके तहत भारत उनकी सुविधा के अनुसार भारत के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए हर साल अमरीका के कम से कम 1000 शिक्षाविदों को आमंत्रित करेगा तथा उनकी मेजबानी करेगा.
- दोनों नेता डेंगू, मलेरिया, टीबी के लिए किफायती टीकों का विकास करने के लिए भारत–यूएस वैक्सीन कार्य योजना का अगला चरण शुरू करने तथा एक विकास केन्द्र स्थापित करने पर सहमत हुए. वे कैंसर अनुसंधान तथा रोगी देखरेख सेवा में क्षमता बढ़ाने के लिए सहयोगात्मक गतिविधियां शुरू करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए.जिसमें भारत के आगामी एम्स– राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के साथ सहयोग कार्यक्रम विकसित करना शामिल है. राष्ट्रपति ओबामा ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंडे में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए भारत के प्रस्ताव का स्वाागत किया.

वैश्विक मुद्दे तथा क्षेत्रीय परामर्श-

- अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भारत का एनएसजी, ऍमआईसीआर तथा ऑस्ट्रेलियाई समूह में शामिल करने का समर्थन किया है.
- दोनों देश के राष्ट्राध्यक्ष इस बात पर सहमत हुए की समुद्र में निर्विरोध आवागमन होना चाहिए, विशेष रूप से चीन सागर की स्थिति पर चिंता जाहिर की.

म्यांमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पहली म्यांमार यात्रा पर 11 नवम्बर 2014 को गए. इस दौरान उन्होंने म्यांमार के राष्ट्रपति यु थेन सेन से मुलाकात की.प्रधानमंत्री मोदी आसियान सम्मलेन में भाग लेने गए थे.म्यांमार में प्रधानमंत्री ने दो प्रमुख बहुपक्षीय सम्मेलनों- आसियान और पूर्व एशिया शिखर सम्मेलनों में भागीदारी की.

प्रधानमंत्री ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशिया के साथ हमारे संबंधों की जडें काफी गहरी हैं. आसियान देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाना हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक महत्वपूर्ण अंग है. आसियान अगली शताब्दी के एशियाई देशों के होने के संदर्भ में हमारे स्व्प्न का मुख्य केन्द्र है, जहां भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. प्रधानमंत्री ने एक अहम मित्र देश के तौर पर म्यांमार के नेताओं के साथ भी द्वीपक्षीय बैठकें की. उन्होंने दोहराया की म्यांमार के साथ मजबूत संबंध बनाये रखना हमारी प्राथमिकता के क्षेत्र में शामिल है.

समझौते–

- दोनों देशों के नेताओं ने दोनो देशों के लोगों के बीच सम्बन्ध बढ़ाने पर जोर दिया.
- दोनों देश मे सुरक्षा योजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की बात कही.

ऑस्ट्रेलिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी एबॉट के अतिथि के रूप में 16 से 18 नवम्बर 2014 तक ऑस्ट्रेलिया का आधिकारिक दौरा किया.

नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री एबॉट के साथ कई विषयों पर चर्चा की, संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को सम्बोधित किया और सीनेट के अध्यक्ष, सदन के स्पीकर और विपक्ष के नेता से कैनबरा में मुलाकात की. उन्होंने ब्रिस्बेन, सिडनी और मेलबॉर्न का दौरा किया और राजनीतिक नेताओं, शिक्षाविदों, व्यवसायियों, खिलाड़ियों से मुलाकात की और ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के लोगों को सम्बोधित किया. प्रधानमंत्री ने अनुसंधान, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संस्थानों का दौरा किया. प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और नये कार्यक्रमों की शुरुआत की गई.

समझौते–

- दोनों देशों के नेताआर्थिक भागीदारी विशेषतौर पर प्राथमिक क्षेत्रों जैसे संसाधन, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, आधारभूत ढांचा, निवेश, वित्तीय सेवाओं और स्वास्थ्य में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए.
- ऑस्ट्रेलिया के संसाधन क्षेत्र में भारत निवेश करेगा और भारत में कोल्ड स्टोरेज, ऊर्जा, आधारभूत ढांचे और अन्य क्षेत्रों में ऑस्ट्रेलिया से हुए निवेश से भारत को लाभ मिलेगा.
- प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री एबोट उर्जा क्षेत्र में भागीदारी पर सहमत हुए और सितम्बर में हस्ताक्षर

किए गए असैन्य परमाणु समझौते को लागू करने के लिए प्रशासनिक प्रबंधों को शीघ्र पूरा करने की दिशा में तेजी लाने पर भी सहमत हुए. आने वाले वर्षों में ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति भारत की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि करेगी.

- दोनों देश आतंकवाद से निपटने के लिए एक मेज पर आने के लिए राजी हुए तथा आतंकवाद के खात्मे के लिए एक-दूसरे का पूर्ण तरीके से मदद पर भी राजी हुए.
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने सजा प्राप्त कैदियों को एक दूसरे को सौपने और नशीली दवाओं पर रोकथाम के लिए एक दूसरे का सहयोग करने का संकल्प लिया.
- प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री एबॉट रक्षा सहयोग को अनुसंधान, विकास और औद्योगिक भागीदारी के क्षेत्र में बढ़ाने पर सहमत हुए. इसके साथ ही रक्षा मंत्री स्तर पर नियमित बैठक, नियमित नौसेना अभ्यास और तीनों सेनाओं के बीच नियमित रूप से आधिकारिक बातचीत करने पर भी सहमति बनी.
- ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने गंगा नदी संरक्षण में सहयोग देने की बात की तथा दोनों देशों की एक विश्वस्तरीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना में सहयोग देने की बात भी कही.
- क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता बनाए रखने तथा आतंकवाद एवं अन्तर्राष्ट्रीय अपराधों से लड़ना भारत–ऑस्ट्रेलिया साझेदारी के उभरते क्षेत्र हैं.
- कृषि, कृषि प्रसंस्किरण, संसाधन, ऊर्जा, वित्त, अवसंरचना, शिक्षा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग हुआ है.

फिजी

प्रधानमंत्री मोदी 19 नवम्बर 2014 को फिजी पहुंचे जहाँ उनका अभिनन्दन वहां के प्रधानमंत्री बैनीमरामा ने किया. ये एक ऐतिहासिक अवसर था क्योंकि33 साल बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री फिजी के दौरे पर पहुंचा था. प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा फिजी में सफल संसदीय चुनाव के शीघ्र बाद हुआ था.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "मैं फिजी को भारत के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार मानता हूँ. हमारे बीच इतिहास और संस्कृति के गहन एवं स्थाई रिश्ते हैं. प्रशांत क्षेत्र में तथा विकासशील देशों में फिजी एक प्रभावशाली आवाज है तथा बहुपक्षीय संस्थाओ में हमारा साझेदार है. हम अनेक साझी वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं. आपस में जुड़े हमारे महासागर क्षेत्रों में शांति एवं सहयोग में हमारे हित एक समान हैं.

हमारा द्विपक्षीय संबंध एवं अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी मजबूत है. परंतु हम यह भी जानते हैं कि यह संबंध कभी–कभी डांवाडोल हुआ है और यह कि हमारा सहयोग जितना मजबूत है उससे कहीं अधिक मजबूत होना चाहिए. इसलिए, मैं इस यात्रा को एक पुराने संबंध को ताजा करने तथा भविष्य में एक मजबूत साझेदारी की नींव रखने के अवसर के रूप में देखता हूँ".

समझौते–

- नवीकरणीय ऊर्जा में,विशेष रूप से सौर एवं पवन ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने तथा जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के लिए क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने के लिए भी तैयार हैं.
- भारत और फिजी आपस में पर्यटन और संस्कृति विनिमय पर सहमत हुए.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं-2015

2015 का वर्ष भारत के दृष्टिकोण से विदेशी संबंधों एवं अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति के लिए काफी महत्वपूर्ण रहा.2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरिशस, सिंगापुर, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, चीन, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, टर्की, मलेशिया, अफ़ग़ानिस्तान जैसे महत्वपूर्ण देशों की यात्राएं की.प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर से व्यापार, साइबर सुरक्षा नीतियों को लेकर समझौते किए, फ्रांस से राफेल विमान खरीदने और परमाणु ऊर्जा संयत्र बनाने को लेकर समझौता, कनाडा से युरेनियम खरीदने का समझौता, दक्षिण कोरिया से भारत के स्मार्ट सिटी के बुनियादी ढाँचे के लिए 10 अरब डॉलर मुहैया करवाने का समझौता, भारत-बांग्लादेश के बीच भूमि सीमा समझौते का आदान-प्रदान, रूस से अगले 10 साल में सालाना व्यापार बढ़ाकर 30 अरब डॉलर करने जैसे कई महत्वपूर्ण समझौते किए.

प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता भारत में विदेशी निवेश के लिए निवेशकों को आकर्षित करने की रही. भारत में विदेशी निवेश से रोजगार के अवसर पैदा करने, रक्षा के क्षेत्र में भारत को सक्षम बनाने, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने, कूटनीतिक हित साधने, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि सुधारने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष ध्यान दिया.

सेशेल्स

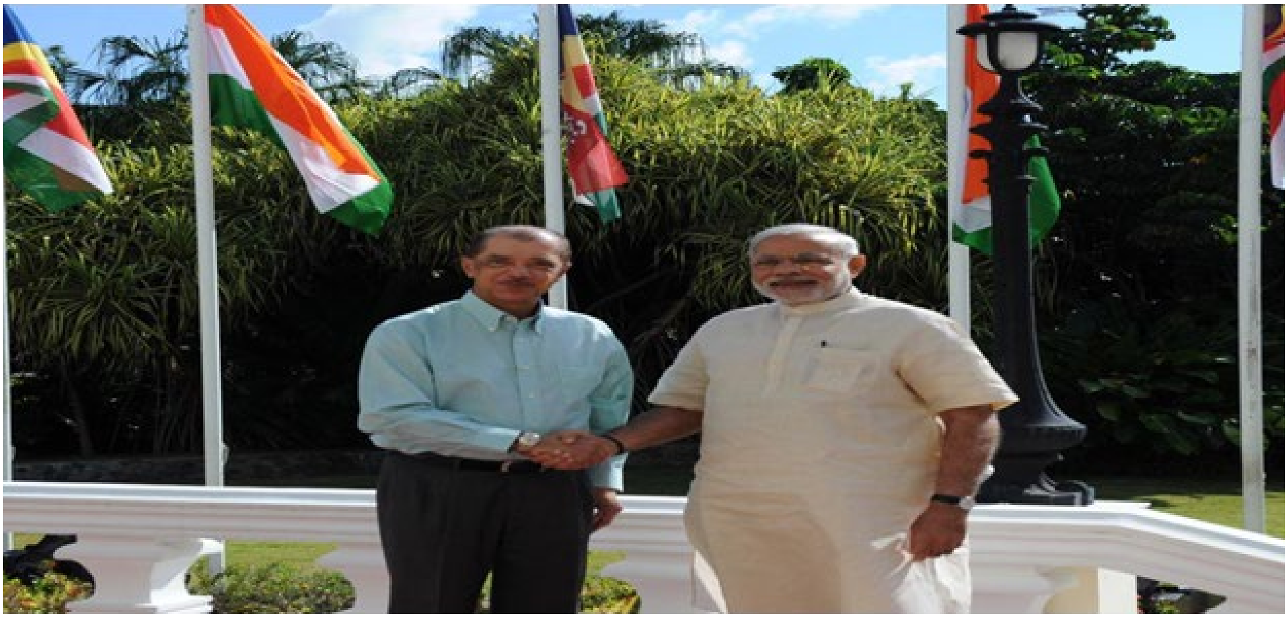

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 से 11 मार्च 2015 तक सेशेल्स की यात्रा की. यह एक ऐतिहासिक यात्रा थी क्योंकि 33 साल के लंबे अंतराल में नरेन्द्र मोदी सेशेल्स का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत, सेशेल्स के साथ संबंधों को मजबूत बनाने को सर्वोपरि महत्व देता है. उन्होंने कहा कि आपसी विश्वास और साझे मूल्यों की नींव पर बने सेशेल्स के साथ भारत के संबंध अत्यंत खास हैं.

नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत सरकार को लगातार समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति माइकल और उनकी सरकार की सराहना की. पिछले साल दिसंबर में एयर सेशेल्स द्वारा भारत के लिए सीधी हवाई सेवा के शुभारंभ का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने आशा जताई कि भारत और सेशेल्स के बीच संबंध आगे और गहरे होंगे जो सम्मान, समानता, विपुलसद्भाव और सौहार्द का प्रतीक है. प्रधानमंत्री ने हिंद महासागर में स्थित पड़ोसी सेशेल्स की यात्रा करने का मौका मिलने पर अपनी ख़ुशी भी जताई. उन्होंने कहा कि उनकी सेशेल्स की यात्रा छोटी है लेकिन यह अत्यंत ही फलदायी एवं महत्वपूर्ण है. नरेन्द्र मोदी ने गहरी आपसी विश्वास और भरोसे पर स्थापित भारत-सेशेल्स रिश्ते को अद्वितीय और विशेष बताया.

समझौते–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10-11 मार्च,2015 तक सेशेल्स की यात्रा की. यह एक ऐतिहासिक यात्रा थी. हाइड्रोग्राफी, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचा विकास और नौवहन चार्ट और इलेक्ट्रॉनिक नौवहन चार्टों पर हस्ताक्षर किये गए. मोदी ने संयुक्त राष्ट्र की विस्तारित सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्य बनाने का समर्थन करने सहित अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर समर्थन देने के लिए सेशेल्स को धन्यवाद दिया.

मॉरिशस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरिशस की दो दिवसीय यात्रा 11 मार्च 2015 से शुरू की. प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से एवं समारोहपूर्ण स्वागत किया गया. मॉरिशस के प्रधानमंत्री सर अनिरूद्ध जगन्नाथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे. नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मॉरिशस ने हमेशा बेहतरीन चयन किये हैं,कड़ी मेहनत और उद्यम को प्रोत्साहित किया है. 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा समर्थित पहले साइबर सिटी के निर्माण के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरिशस में ऐसे ही एक दूसरे शहर के लिए सहयोग करने की घोषणा की.

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नतापूर्वक कहा कि भारत और मॉरिशस का भाग्य हिंद महासागर की धाराओं से जुड़ा हुआ है. प्रधानमंत्री ने आशा जताई कि भारत-मॉरिशस संबंध हमेशा से दोनों देशों के लिए अत्यंत खुशी और शक्ति का स्रोत रहेगा.भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नेशनल असेंबली को भी संबोधित किया.

समझौते–

- भारत और मॉरिशस के बीच दोहरे कराधान से बचाव की संधि में संशोधन पर सहमत हुई.
- भारत ने मॉरिशस को मुख्य बुनियादी ढांचे के लिए 50 करोड़ डॉलर देने का प्रस्ताव दिया.
- भारत ने मॉरिशस में दूसरा साइबर शहर स्थापित करने का प्रस्ताव दिया. मॉरिशस के अगलेगा द्वीप पर बुनियादी ढाँचे की स्थापना एवं उन्नयन का प्रावधान है.

प्र श्रीलंका यात्रा दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थी क्योंकि 1987 के बाद से यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी. 13 मार्च 2015 को भारत के प्रधानमंत्री और श्रीलंका के राष्ट्रपति ने संयुक्त रूप से मीडिया वक्तव्य दिया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि का उल्लेख किया और भारत और श्रीलंका के बीच व्यापार संबंधों को आगे और मजबूत करने की आशा व्यक्त की. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि श्रीलंका में रामायण और भारत में महात्मा बुद्ध से जुड़े स्थलों के विकास में सहयोग देने के लिए भारत प्रतिबद्ध है. उसी दिन शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका की संसद को संबोधित किया. श्रीलंका की संसद को एशिया में सबसे जीवंत बताते हुए उन्होंने भारत की 1.25 अरब लोगों की ओर से सबका अभिवादन किया.

समझौते–

- अधिकारियों के दौरे पर वीजा नियमों में छुट
- कस्टम मामलों में सहयोग
- दोनों देशों के युवाओं के बीच बेहतर संवाद
- शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग

सिंगापुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिंगापुर में 29 मार्च 2015 को सिंगापुर के सबसे महान नेता ली क्यान यूं की राजकीय शवयात्रा में शामिल हुए. इस शवयात्रा में विश्व के अन्य बड़े नेता भी शामिल हुए थे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री टोनी अबोट और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से भी मुलाक़ात की.

समझौते–

- दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, संयुक्त युद्धाभ्यास,रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग.
- साइबर सुरक्षा से जुड़ी सूचनाओं का आदान–प्रदान, आपातकालीन समय में एक-दूसरे का सहयोग, साइबर सुरक्षा नीतियों तथा कार्यकुशल व्यक्तियों का आदान–प्रदान.
- राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा के साथ–साथ आर्थिक, सांस्कृतिक और जनता के बीच संपर्क को बढ़ावा देना.
- भारत के नीति आयोग और सिंगापुर के को-ऑपरेशन एंटरप्राइज के बीच समझौता हुआ है इसके तहत दोनों संगठनों के बीच शहर योजना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन आदि मुद्दों पर सहयोग और अनुभव का आदान–प्रदान किया जायेगा.

फ्रांस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 अप्रैल 2015 को फ्रांस के दौरे पर पहुंचे. 10 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता भी की और भारत सरकार की पहल 'मेक इन इंडिया' के बारे में बात की. बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने यूनेस्को के सदस्यों को संबोधित किया. इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलौन्द के साथ मुलाकात की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आशा जताई कि भारत और फ्रांस के बीच सामरिक साझेदारी से दोनों राष्ट्रों को लाभ होगा.

समझौते–

- फ्रांस से भारत 36 राफेल विमान जल्द से जल्द खरीदेगा.
- महाराष्ट्र में जैतापुर में परमाणु ऊर्जा प्लांट लगाने में सहयोग, छह प्लांट बनाने की ओर प्रगति.
- भारत में एयरबस आने वाले सालों में दो अरब का निवेश करेगा.
- फ्रांस तीन स्मार्ट शहर बनाने में मदद करेगा, इनमें पुड्डुचेरी भी शामिल है.
- सेमी हाई स्पीड रेल को लेकर सहमती.
- दोनों देशों में वीजा नियमों को आसान करने को लेकर सहमति.
- अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में समझौता.

जर्मनी

12 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जर्मनी में हनोवर पहुंचे. तीन दिन की इस महत्वपूर्ण यात्रा का उद्देश्य वैश्विक मोर्चे पर भारत-जर्मनी साझेदारी को आगे बढ़ाना. नरेन्द्र मोदी ने हनोवर में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया और बापू को भावभीनी श्रद्धांजलि दी. अपनी यात्रा के दूसरे दिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चांसलर एंजेला मर्केल ने हनोवर मेले में इंडिया पवेलियन का दौरा किया. 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने बर्लिन के हाप्तबोनहोफ रेलवे स्टेशन का दौरा किया. बर्लिन में प्रधानमंत्री और जर्मन चांसलर ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'भारतीय शेर'और 'जर्मन ईगल'बड़े भागीदार हैं.जर्मनी को महत्वपूर्ण भागीदार बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'कौशल विकास' के मामले में जर्मनी से बहुत कुछ सीखा जा सकता है. नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रमुख क्षेत्रों पर भी बात की.प्रधानमंत्री ने यह आशा जताई कि आने वाले समय में भारत और जर्मनी के बीच संबंध और मजबूत होगा तथा दोनों देश लोगों के कल्याण के लिए पारस्परिक हित में एक साथ काम करेंगे.

समझौते–

- दोनों देशों के मध्य खुले व्यापार पर समझौता.
- शहरी विकास पर साझेदारी, भारत में वर्किंग ग्रुप बनेगा.
- भारत में जर्मन कंपनियों के लिए अधिक सुविधा देने पर ताकि जर्मन निवेशक अधिक निवेश कर सकें.

कनाडा

16 अप्रैल,2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कनाडा पहुंचे जहाँ उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ. संयुक्त प्रेस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और कनाडा के बीच बढ़ रहे संबंधों के बारे में बात की. व्यापार क्षमता पर विशेष ध्यान देते हुए प्रधानमंत्री ने भारत की राष्ट्रीय विकास प्राथमिकता के सभी क्षेत्रों में कनाडा को एक महत्वपूर्ण भागीदार बताया. प्रधानमंत्री ने दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत में हो रहे बदलावों के बारे में कनाडा को आश्वासन दिया.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा के साथ हमारे रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की भी मांग की. उन्होंने कनाडा से यूरेनियम की खरीद संबंधी समझौते पर अपना संतोष व्यक्त किया.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री टोरंटो गए जहाँ रिको कोलिसियम में सभी प्रधानमंत्री मोदी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. हवाई अड्डे पर भारी संख्या में लोग प्रधानमंत्री मोदी को देखने के लिए एकत्र हुए थे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने के बाद वहां रहने वाले भारतीय मूल के लोगों में एक जबरदस्त उत्साह देखने को मिला.

समझौते–

- पांच वर्षों में भारत कनाडा से तीन हज़ार टन से ज्यादा यूरेनियम खरीदेगा. इसका इस्तेमाल भारत के परमाणु कार्यक्रम में किया जाएगा.
- तेल और गैस के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति. साथ ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने पर सहयोग.
- भारत में कनाडा की ग्रैंड चैलेंजेस 25 लाख केनेडियन डॉलर का निवेश करेगी.

प्रधानमंत्री मोदी 14-16 मई,2015 के मध्य चीन यात्रा पर गए.अपनी यात्रा की शुरुआत 14 मई को चीन के शान्सी प्रांत की राजधानी शियान से प्रारंभ की.16 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन की वाणिज्यिक राजधानी शंघाई पहुंचे जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. यह उनकी तीन दिवसीय चीन यात्रा का अंतिम दिन था. मोदी ने कहा कि भारत ज्ञान का स्थल है और चीन नवाचारों के लिए जाना जाता रहा है.इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फूदान विश्वविद्यालय में गांधीवादी और भारतीय अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया.शाम में प्रधानमंत्री ने शंघाई में भारतीय समुदाय को संबोधित किया. प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को उनके गृह प्रांत शियान में आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया.

समझौते–

- भारत द्वारा चेंगदू में तथा चीन द्वारा चेन्नई में वाणिज्य दूतावास खोलने पर सहमति.
- अहमदाबाद\गांधीनगर गुजरात में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता को बढावा देने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय संस्थान की स्थापना में सहयोग पर कार्ययोजना.
- भारत के हैदराबाद शहर तथा चीन के किंगदाओ शहर के बीच सिस्टर सिटी सम्बन्ध स्थापित के लिए करार.
- एक योग महाविद्यालय की स्थापना के लिए भारतीय संस्कृति सबंध परिषद् तथा युन्नान मिन्जू विश्वविद्यालय के बीच समझौता हुआ.

मंगोलिया

प्रधानमंत्री चीन की यात्रा के बाद 16 मई,2015 को ही मंगोलिया चले गए. यह एक ऐतिहासिक यात्रा थी क्योंकि मंगोलिया की यात्रा पर जाने वाले वे प्रथम प्रधानमंत्री थे. मंगोलिया में 17 मई की सुबह नरेन्द्र मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया और इसके बाद उन्होंने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की.दोनों देशों के बीच विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर हुए. श्री मोदी ने मंगोलिया की यात्रा करने का अवसर मिलने पर अपनी ख़ुशी व्यक्त की. प्रधानमंत्री मोदी ने मंगोलिया को भारत के एक्ट ईस्ट नीति का भी एक अभिन्न हिस्सा बताया. प्रधानमंत्री ने आशा जताई कि मंगोलिया के साथ इस ऐतिहासिक सहयोग से आने वाले समय में सीमा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा. उन्होंने आशा जताई कि दोनों देशों के बीच साझेदारी के एक नए युग की शुरुआत होगी.

समझौते–

- भारत मंगोलिया को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए आसान शर्तों पर एक अरब डॉलर तक का कर्ज देगा.
- भारत और मंगोलिया सजायाफ्ता कैदियों की अदला–बदली करेंगे साथ ही डेयरी, औषधि,होम्योपैथी,रक्षा,अक्षय उर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे.
- भारत के सहयोग से मंगोलिया में साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केन्द्र खोला जायेगा.
- संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देश 2015 से 2018 तक एक कार्यक्रम चलाएंगे.
- भारत, मंगोलिया में एक सेकेंडरी स्कूल की स्थापना भी करेगा.

दक्षिण कोरिया

चीन और मंगोलिया की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर दक्षिण कोरिया पहुंचे. सियोल पहुँचने पर प्रधानमंत्री मोदी का औपचारिक स्वागत किया गया. नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण कोरिया की अपने दो दिवसीय दौरे की शुरुआत में भारतीय समुदाय को संबोधित किया. वहाँ आये हुए लोगों में काफी उत्साह था और सभी प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए तैयार थे. लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे भारत के बारे में दुनिया का दृष्टिकोण तेजी से बदल रहा है. नरेन्द्र मोदी का सियोल में औपचारिक स्वागत किया गया. प्रधानमंत्री ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति पार्क गुएन हाए से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों पर व्यापक विचार-विमर्श किया. वे दोनों राष्ट्र के बीच हुए महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान भी उपस्थित थे. प्रतिनिधिमंडल स्तर पर भी वार्ता हुई.

समझौते–

- दक्षिण कोरिया ने भारत को स्मार्ट सिटी के बुनियादी ढांचे के विकास, रेलवे,उर्जा उत्पादन और अन्य विविध क्षेत्रों के लिए 10 अरब डॉलर मुहैया कराने का फैसला किया.
- भारत और दक्षिण कोरिया के बीच संशोधित दोहरे कराधान बचाव संधि (डीटीएए) पर दस्तख़त हुए.
- नेशनल सिक्युरिटी के क्षेत्र में समझौता.

6 जून 2015 की सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांग्लादेश की अपनी दो दिवसीय यात्रा के लिए ढाका पहुंचे. बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रोटोकॉल से अलग हटते हुए हज़रत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर स्वयं पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया.दोनों देशों को जोड़ने और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना ने ढाका में कोलकाता-ढाका-अगरतला, अगरतला-ढाका-कोलकाता और ढाका से गुवाहाटी के बीच बस सेवाओं को हरी झंडी दिखाई. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस अवसर पर उपस्थित थीं. प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री हसीना और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बस में सवार यात्रियों से मुलाकात की.

समझौते–

- भारत–बांग्लादेश के बीच भूमि सीमा समझौता का आदान-प्रदान किया गया. इसके तहत दोनों देशों के बीच 161 एन्क्लेवों का आदान-प्रदान किया गया . बांग्लादेश को 111 सीमाई एन्क्लेव हस्तांतरित किये गए जबकि 51 एन्क्लेव भारत के हिस्सा बन गए.
- भारत और बांग्लादेश के बीच सामुद्रिक सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग तथा मानव तस्करी और जाली भारतीय नोट के प्रसार को रोकने के लिए समझौता किया गया.
- भारत और बांग्लादेश के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए बसें शुरू की.

उज्बेकिस्तान

6 जुलाई,2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाँच मध्य एशियाई देशों और रूस की अपनी यात्रा के लिए रवाना हुए. अपनी यात्रा की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे पहले उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद पहुंचे, जहाँ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया.मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति इस्लाम करीमोव से भी मुलाकात की. प्रधानमंत्री मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के बीच व्यापक वार्ता हुई. मोदी ने वार्ता को 'अत्यंत उपयोगी एवं फलदायी' बताया. मोदी ने संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों पक्षों के बीच नियमित रूप से उच्च स्तरीय वार्ता जारी रखने में भारत की गहरी रुचि है. प्रधानमंत्री ने हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए भी उज्बेकिस्तान की प्रशंसा की.

समझौते-

- पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर अंतरसरकारी समझौता.
- दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के मध्य सहयोग पर प्रोटोकॉल से सम्बन्धित समझौता.
- वर्ष 2015-2017 के लिए सांस्कृतिक सहयोग के अतरसरकारी कार्यक्रम पर समझौता.
- राष्ट्रपति इस्लाम करीमोफ़ ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए उज्बेकिस्तान के समर्थन की बात की.

कजाकिस्तान

7 जुलाई,2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना पहुंचे. जहां कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री करीम मसीमोव ने स्वयं हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया.दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापक वार्ता कर भारत और कजाकिस्तान के बीच सहयोग बढ़ाने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की. श्री मोदी ने अपनी इस बैठक को अत्यंत उपयोगी एवं फलदायी बताया.प्रधानमंत्री ने एक ऐसी एशियाई सदी बनाने का आह्वान किया जिसमें पूरा एशिया एकजुट हो .नरेन्द्र मोदी ने कजाकिस्तान की कंपनियों से भारत में निवेश करने का भी आग्रह किया.

समझौते-

- भारत और कजाकिस्तान के बीच विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, शहरी विकास, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि एवं संस्कृति, व्यापार एवं निवेश पर चर्चा के पश्चात एक वक्तव्य जारी किया गया.
- दोनों नेताओं ने शासन और विकास में तकनीकी उपयोग सहित अन्तरिक्ष और सूचना तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमती व्यक्त की.
- भौतिक,सांस्कृतिक एवं खेल के क्षेत्र में सहयोग हेतु दोनों देशों के मध्य समझौता.
- प्राकृतिक युरेनियम की बिक्री एवं खरीद हेतु परमाणु ऊर्जा विभाग भारत सरकार और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय परमाणु कंपनी कज़ाटोनप्रोम के बीच दीर्घकालिक अनुबंध हुआ है.
- रेलवे में तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई,2015 को ब्रिक्स और शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिन की यात्रा पर उफा शहर गए.बैंक के पहले चेयरमैन भारत के बैंकिंग क्षेत्र की प्रमुख हस्ती के.वी. कामत बनाए गए. मोदी और शी के अलावा ब्रिक्स सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्राजील की राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति जैकब जुमा ने भी हिस्सा लिया.

समझौते-

- सम्मेलन के एजेंडे में राजनीतिक और आर्थिक मुद्दे शामिल रहे.लेकिन मुख्य बल आर्थिक सहयोग पर रहा.
- ब्रिक्स देशों के नेताओं ने उफा घोषणा-पत्रजारी किया. जिसमें उभरती चुनौतियों का जवाब देने में समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देने, शान्ति और सुरक्षा को सुनिश्चित करने, सदस्य देशों के बीच स्थायी विकास को बढ़ावा देने की बात कही गयी है.

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ब्रिक्स सम्मेलन में दिए गए सुझाव :

1. फिल्म अवार्ड्स, ब्रिक्स खेल परिषद् और ब्रिक्स कृषि अनुसन्धान केंद्र स्थापित करने के सुझाव दिए.
2. व्यापार मेले का आयोजन किया जाए.
3. शहरीकरण में नगरों के बीच सहयोग हो.
4. डिजिटल पहलों को बढ़ावा देना.

तुर्कमेनिस्तान

10 जुलाई 2015 की शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अशगाबाट पहुंचे जहाँ उनका हार्दिक स्वागत किया गया.प्रधानमंत्री मोदी ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति गुर्बांगुली बर्दिमुहम्मेदोव के साथ व्यापक वार्ता की. दोनों नेताओं ने भारत-तुर्कमेनिस्तान सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की.प्रधानमंत्री मोदी ने तुर्कमेनिस्तान में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया. गांधी जी को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मानव जाति के सामने आने वाली दो बड़ी समस्याओं, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन का समाधान गांधी जी के जीवन और उनके विचारों में से प्राप्त किया जा सकता है.

समझौते-

- भारत और तुर्कमेनिस्तान ने सीमापार के खतरों, आतंकवाद एवं ड्रग्स की अवैध तस्करी के खिलाफ अपने प्रयासों को आगे बढ़ाया .
- प्रधानमंत्री मोदी ने अश्गाबाट में पारंपरिक चिकित्सा एवं योग केंद्र का भी उद्घाटन किया.

किर्गिस्तान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जुलाई,2015 को किर्गिस्तान पहुंचे. प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्रा का यह चौथा पड़ाव था. किर्गिस्तान की उनकी यह यात्रा ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण रही क्योंकि 20 साल में ये किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी.किर्गिस्तान के प्रधानमंत्री तेमिर सरियेव ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक स्वागत किया.

समझौते–

- प्रधानमंत्री मोदी ने किर्गिस्तान-भारत माउंटेन बायो मेडिकल रिसर्च सेंटर के दूसरे चरण का शुभारम्भ किया.
- मोदी ने भारत सरकार की ओर से किर्गिस्तान के फील्ड अस्पताल को चिकित्सा उपकरण उपहार में दिए.

तजाकिस्तान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जुलाई को ताजिकिस्तान पहुंचे. मोदी का स्वागत करने के लिए ताजिकिस्तान के प्रधानमंत्री कोहिर रसुलजोदा स्वयं हवाई अड्डे पर उपस्थित थे. प्रधानमंत्री मोदी ने हार्दिक स्वागत करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया. प्रधानमंत्री मोदी ने तजाकिस्तान के राष्ट्रपति एमामोली रहमान के साथ द्विपक्षीय वार्ता की जिसके बाद वे उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक में शामिल हुए. दोनों नेताओं ने व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में भारत और तजाकिस्तान के बीच सहयोग मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की. प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने में राष्ट्रपति रहमान की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता और नेतृत्व के लिए उनकी सराहना की.

समझौते –

- सांस्कृतिक और कौशल विकास के क्षेत्र में दो समझौते हुए.
- वर्ष 2016–2018 के लिए संस्कृति के क्षेत्र में भारत और तज़ाकिस्तान के संस्कृति मंत्रालयों के बीच सहयोग कार्यक्रम.
- तजाकिस्तान के 37 स्कूलों में कंप्यूटर स्थापित होने पर मौखिक नोट का आदान-प्रदान किया गया.

संयुक्त अरब अमीरात

प्रधानमंत्री मोदी ने 16-17 अगस्त,2015 के बीच संयुक्त अरब अमीरात का आधिकारिक दौरा किया.16 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात के दो दिवसीय ऐतिहासिक दौरे पर रवाना हुए. अबू धाबी के राजकुमार शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान ने अबू धाबी हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का हार्दिक स्वागत किया. विशेष सम्मान दिखाते हुए शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान के पांच भाई भी हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए उनके साथ थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यहाँ पारंपरिक स्वागत भी किया गया.

समझौते–

- भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए UAE के निवेश संस्थानों को प्रोत्साहित करना, जिसमें 75 बिलियन डॉलर का इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश निधि की स्थापना के माध्यम से व्यापार एवं निवेश को सुगम बनाना शामिल है.
- दोनों देशों के मध्य व्यापार को बढ़ावा देने तथा अगले पांच वर्षों में व्यापार में 60% की वृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करना.

आयरलैंड

23 सितम्बर 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आयरलैंड की एक दिवसीय यात्रा पर गए. जहां उनका स्वागत आयरलैंड के प्रधानमंत्री एन्डा केनी नेकिया ने किया. यह 59 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की आयरलैंड यात्रा थी.

समझौते–

- दोनों देशों ने आपसी साझेदारी और सहयोग पर सहमति दर्ज की है.
- दोनों देशों ने डिजिटल वर्ल्ड में साझेदारी के प्रति सहमति दर्ज की है तथा सूचना प्रौधोगिकी में संयुक्त कार्यसमूह बनाने पर भी सहमति दर्ज की है.
- दोनों देशों ने सीधी हवाई यात्रा आरंभ करने पर सहमति व्यक्त की है. इस निर्णय से दोनों देशों के बीच पर्यटन व्यापार को बढ़ावा मिलेगा. अभी यह व्यापार दोनों देशों के बीच 14% प्रति वर्ष की दर से वृद्धि कर रहा है.
- भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों के लिए एक निश्चित समय सीमा के भीतर आयरलैंड के समर्थन की मांग की. इसमें संयुक्त राष्ट्र के 70वें वर्ष में अंतरसरकारी वार्ता के सफल समापन को विशेष रूप से शामिल किया गया. भारत ने आयरलैंड द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता हेतु सहयोग की मांग की.
- भारत ने एनएसजी एवं अन्य अन्तराष्ट्रीय निर्यात नियन्त्रण व्यवस्थाओं में सदस्यता हेतु आयरलैंड द्वारा सहयोग की मांग की.

अमेरिका

24 सितंबर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे की शुरुआत हुई. आयरलैंड की अपनी ऐतिहासिक और यादगार यात्रा समाप्त कर श्री नरेन्द्र मोदी न्यूयार्क के जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे पहुंचे. इसी के साथ उनकी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत हुई.न्यूयॉर्क में हुई पहली बैठक व्यापार एवं व्यवसाय पर केन्द्रित रही. प्रधानमंत्री मोदी ने वित्तीय क्षेत्र के शीर्ष अमेरिकी मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक गोलमेज बैठक में भाग लिया.प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूयॉर्क शहर में विभिन्न नेताओं के साथ व्यापक वार्ता की. उन्होंने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न व्यावसायिक कंपनियों के प्रमुखों से भी मुलाकात की. इसके बाद श्री मोदी ने वर्किंग डिनर में भाग लिया जहाँ फॉर्च्यून-500 के प्रमुख सीईओ मौजूद थे.

समझौते–

- भारत में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दिग्गज कंपनियों के संचालकों से मिले जिनमें माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला तथा गूगल के सुंदर पिचाई प्रमुख हैं.
- 27 सितम्बर को प्रधानमंत्री मोदी फेसबुक मुख्यालय गए जहाँ मार्क जुकरबर्ग तथा शेरील सेन्ड्बर्ग ने उनका स्वागत किया.

ब्रिटेन

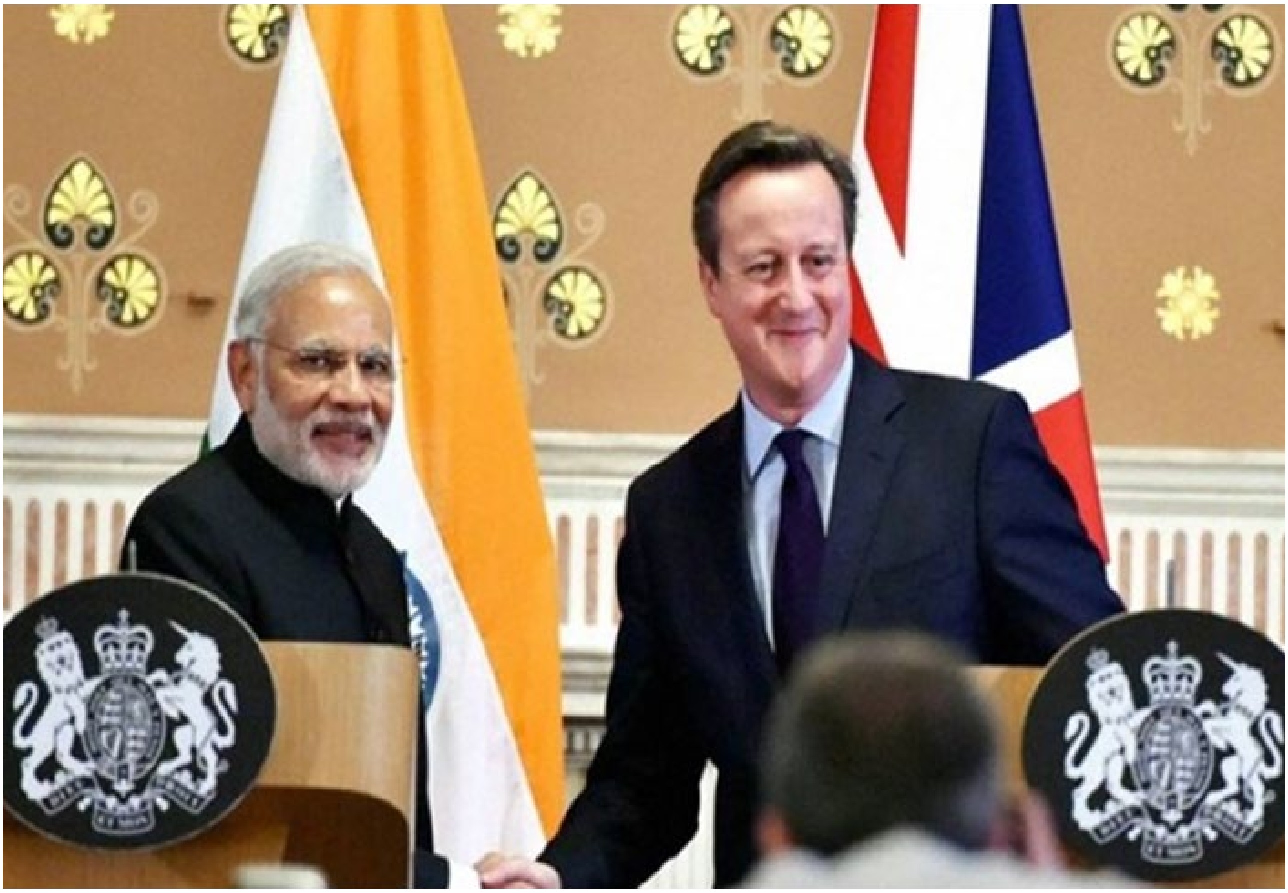

12 से 14 नवम्बर,2015 के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी त्रिदिवसीय यात्रा संपन्न की. वहां उन्हें 'गार्ड ऑफ़ आनर' से सम्मानित होने के बाद उन्होंने ब्रिटिश संसद को संबोधित किया. वे ब्रिटिश संसद को संबोधित करने वाले प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री थे.

समझौते–

- ब्रिटेन में सूचीबद्ध ओपीजी पॉवर वेंचर्स पिएलसी भारत में 2.9 बिलियन पौंड का निवेश करेगी. इसके माध्यम से भारत में 4200 मेगावाट का अतिरिक्त विद्युत उत्पादन संभव होगा.
- किंग्स कॉलेज हॉस्पिटल एन.एच.एस फाउंडेशन ट्रस्ट और भारत-ब्रिटेन हेल्थ केयेर प्राइवेट लिमिटेड के मध्य चंडीगढ़ में किंग्स कॉलेज हॉस्पिटल खोलने सम्बंधित समझौता.
- लन्दन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप और यस बैंक के मध्य ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर बढाने एवं बांड इक्विटी जारे करने पर सहमति.

मलेशिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसियान और पूर्व एशिया शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए 21 नवम्बर, 2015 को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर पहुंचे.

समझौते–

- भारत द्वारा शिक्षा एवं सांस्कृतिक संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए, मलेशिया के योग्य छात्रों के लिए वर्ष 1954 से कार्यरत 'भारतीय छात्रवृति न्यास निधि' में 50 मिलियन रूपये के अतिरिक्त योगदान की घोषणा की CERT-IN (INDIAN NATIONAL COMPUTER EMERGENCY RESPONSE TEAM), भारत एवं साइबर सुरक्षा एजेंसी, मलेशिया के मध्य साइबर सुरक्षा पर एमओयु.
- नीति आयोग, भारत सरकार एवं PEMANDU (Performance Management and Delivery Unit),मलेशिया सरकार के मध्य निष्पादन, प्रबन्धन, परियोजना प्रदायगी एवं निगरानी के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू.

सिंगापुर

द्वि पक्षीय सम्बन्धों में प्रगाढ़ता लाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23-24 नवम्बर,2015 को सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर रहे. उन्होंने मेजबान राष्ट्रपति टोनी टान केंग याम एवं प्रधानमंत्री ली सीएन लुंग के साथ सारगर्भित वार्ता की तथा नौ द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किये.

समझौते–

- रक्षा सहयोग पर भारत गणराज्य एवं सिंगापुर गणराज्य के मध्य करार.
- सिंगापुर के एशियाई सभ्यता संग्रहालय को शिल्पकृतियाँ उधार देने पर भारत गणराज्य एंव सिंगापुर गणराज्य के मध्य करार.
- वर्ष 2015 से 2018 के मध्य कला, विरासत, पुरालेख एवं पुस्तकालय के क्षेत्र में भारत गणराज्य एंव सिंगापुर गणराज्य के मध्य कार्यपालक कार्यक्रम.
- श्वेत नौवहन सूचना हिस्सेदारी पर दोनों देशों के नौसेना के मध्य 21 जुलाई, 2015 को हस्ताक्षरित तकनीकी करार को क्रियाशील बनाना.
- साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भारतीय संस्था एवं साइबर एजेंसी सिंगापुर के मध्य समझौता.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान अहम जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भाग लिया और भारत द्वारा पेश किये गए अंतर्राष्ट्रीय सौर उर्जा गठजोड़ की शुरुआत की.

प्रधानमंत्री के द्वारा दिया गया सुझाव–

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद के साथ मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का शुभारंभ किया और विकसित तथा विकासशील देशों को साथ लाने वाली इस पहल के लिए भारत की ओर से 3 करोड़ डॉलर की सहायता का भी वादा किया गया.

23–24 दिसम्बर,2015 को मॉस्को में आयोजित सोलहवीं भारत–रूस वार्षिक शिखर वार्ता में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा की.प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रो मोदी ने बृहस्पतिवार को मॉस्को में 'फ्रेंड्स ऑफ़ इंडिया'कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें रूसी कलाकारो ने भारत के पारंपरिक और लोकनृत्यों पर प्रस्तुति पेश की. कार्यक्रम से रूस में भारतीय सांस्कृतिक परम्परा की लोकप्रियता और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक तालमेल के महत्व का प्रदर्शन दर्शित हुआ.

समझौते–

- दोनों देशों के नागरिकों की कुछ श्रेणियों की पारस्परिक यात्राओं के लिए आवश्यकताओं के सरलीकरण पर भारत और रुसी सरकार के बीच संशोधनकारी प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किया गया.
- हेलीकॉप्टर अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सहयोग हेतु दोनों देशों की सरकारों द्वारा हस्ताक्षर किया गया.
- रूस में डिजाईन की गई परमाणु रिएक्टर इकाइयों के भारत में विनिर्माण के स्थानीयकरण हेतु 'भारतीय परमाणु उर्जा विभाग' तथा 'रुसी राज्य परमाणु उर्जा निगम' के मध्य कार्ययोजना पर सहमति व्यक्त की गई.
- भारतीय सौर उर्जा निगम तथा रुसी उर्जा एजेंसी के बीच भारत में सौर उर्जा संयंत्रों के निर्माण के सम्बन्ध में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ.

अफगानिस्तान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसम्बर,2015 को अफगानिस्तान पहुंचे. जहाँ उन्होंने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति मोहम्मद अशरफ गनी और मुख्य कार्यकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला से विचार-विमर्श किया.

समझौते–

- प्रधानमंत्री ने अफगानिस्तान के विकास हेतु स्वीकृत 2 बिलियन डॉलर की भारतीय सहायता के सम्बन्ध में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति से विचार-विमर्श किया.
- प्रधानमंत्री द्वारा अफगानिस्तान के तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 1,70,000 गेहूं की आपूर्ति का आश्वासन दिया गया तथा अफगानिस्तान को भारत से प्राप्त होने वाले नई 1000 बसों की आपूर्ति हेतु तौर–तरीकों को विकसित करने का आश्वासन दिया गया.
- अफगानिस्तान की सेना के साथ बेहतर संपर्क स्थापित करने की दृष्टि से इरान के चाहबार के बन्दरगाह के निर्माण के संबंध में त्रिपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर विचार–विमर्श किया.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं–2016

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2016 की शुरुआत बेल्जियम में आयोजित तेरहवें भारतीय यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में भाग लेकर किया. नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष अमेरिका, सउदी अरब, जापान, इरान, क़तर, दक्षिण अफ्रीका, विएतनाम जैसे विदेश नीति के दृष्टिकोण से प्रमुख देशों की यात्राएं की. इन यात्राओं के दौरान नरेन्द्र मोदी ने परमाणु सुरक्षा, आतंकवाद, विकास, निवेश, तकनीकी इत्यादि से संबंधित कई समझौते किये. प्रधानमंत्री ने अमेरिका में चौथे परमाणु सुरक्षा सम्मेलन में शिरकत की, इस दौरान परमाणु आतंकवाद और परमाणु सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चाएँ की.

इस दौरान प्रधानमंत्री महोदय ने सउदी अरब की भी यात्रा की जहां पर उन्होंने सउदी अरब को रक्षा, बीमा, रेलवे और तेल जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया.

जापान की यात्रा के दौरान एक ऐतिहासिक असैन्य परमाणु करार पर भारत एवं जापान ने हस्ताक्षर किये. जापान ने अपनी आपत्तियां खत्म करते हुए और अपने परंपरागत रूख से हटते हुए भारत को असैन्य परमाणु तकनीक हस्तांतरित करने पर सहमत हुआ. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी इरान की विदेश यात्रा के दौरान भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यधिक महत्व रखने वाले चाहबार बन्दरगाह को विकसित करने पर सहमति बनी. आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और क़तर के बीच खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, आतंकवाद के वित्त पोषण को रोकने के लिए समझौते हुए. कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और खेल के क्षेत्रों में सहयोग पर भी समझौता हुआ.

बेल्जियम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मार्च 2016 को बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स पहुंचे. वहां ब्रसेल्स पहुँचने पर प्रधानमंत्री को 'गार्ड ऑफ़ ऑनर' दिया गया. प्रधानमंत्री मोदी की यह पांच दिवसीय यात्रा थी.यह उनकी बेल्जियम की पहली आधिकारिक यात्रा थी. ब्रसेल्स यूरोपीय संघ और नाटो का मुख्यालय है.

समझौते–

- बेल्जियम से उन्होंने एशिया के सबसे बड़े आम उद्देश्य वाले ऑप्टिकल दूरबीन– जिसे नैनीताल से 60 किमी दूर–देवस्थल में स्थापित किया गया है,को 'रिमोट टेक्निकल एक्टिवेशन' के माध्यम से चालू किया.
- दौरे के दौरान दोनों देशों ने एक संयुक्त वक्तव्य और एजेंडा जारी किया. यह यूरोपीय संघ भारत के लिए रोडमैप की तरह कार्य करेगा और इसे एक्शन 2020 कहा जाएगा.
- भारत–यूरोपीय संघ जल साझेदारी पर संयुक्त घोषणा को पर्यावरण संबंधित मुद्दों में सहयोग बढाने के लिए अपनाया गया. इसमें 'स्वच्छ भारत' और 'स्वच्छ गंगा' फ्लैगशिप कार्यक्रम भी शामिल है.
- प्रधानमंत्री जी ने 13वें भारतीय-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में भाग लिया और बेल्जियम के प्रधानमंत्री चार्ल्स माइकल के साथ मुलाक़ात भी की.

अमेरिका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च,2016 को वाशिंगटन पहुंचे. प्रधानमंत्री की इस यात्रा का उद्देश्य चौथे परमाणु सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेना था. प्रधानमंत्री ने इस यात्रा के दौरान न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री जॉन की से मुलाक़ात की.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'लिगो' के वैज्ञानिकों से भी मुलाक़ात की. प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा वाइट हाउस में आयोजित रात्रिभोज में भी भाग लिया.

समझौते–

- भारत और अमेरिका ने भारत में 'लेजर इन्टरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल– वेव ऑब्जर्वेटरी' (LIGO) की स्थापना के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किये.
- प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के परमाणु सुरक्षा कोष में 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान की भी घोषणा की.

सऊदी अरब

महामहिम किंग सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2-3 अप्रैल,2016 को सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा की.अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्राउन प्रिंस, उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन नईफ बिन अब्दुल अजीज अल सऊद और उप क्राउन प्रिंस, द्वितीय उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद से भी मुलाकत की. प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विदेश मामलों के मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री एवं सऊदी अरामको के कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष से भी भेंट की.

समझौते–

- सऊदी अरब के दौरे के दौरान उन्होंने रियाद में सऊदी चैम्बर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में व्यापार जगत के नेताओं से भी बातचीत की.
- उन्होंने सऊदी अरब के अन्य नेताओं से भी मुलाकात की. साथ ही रक्षा, बीमा, तेल, रेलवे जैसे भारत के मुख्य क्षेत्र में निवेश करने के लिए सऊदी अरब के दिग्गजों को आमंत्रित किया.
- प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी के राजा अब्दुल बिन अजीज के साथ मुलाक़ात की.

ईरान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 से 23 मई,2016 के मध्य हमारे देश के सबसे विश्वस्त सहयोगी ईरान का दौरा किया. प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति रूहानी के विशेष आमन्त्रण पर यह दौरा किया. उन्होंने ईरान में गुरुद्वारा में भी दर्शन किये.

समझौते–

- प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान लगभग 13 वर्षों बाद चाहबार बन्दरगाह के ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया.
- भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच 23 मई को तेहरान में एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय पारगमन समझौते पर हस्ताक्षर किया गया.
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी, ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी मौजूद थे.
- इस समझौते से भारत को बिना पकिस्तान गए, अफगानिस्तान जाने के लिए सुरक्षित मार्ग मिल गया.

अफगानिस्तान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जून,2016 को अफगानिस्तान पहुंचे.जहाँ उन्होंने भारत की मदद से निर्मित मैत्री बांध का उद्घाटन किया. भारत सरकार द्वारा अफगानिस्तान के हेरात प्रांत स्थित हरी रुद नदी पर बनाया गया सलमा डैम एक लैंडमार्क प्रोजेक्ट है.

समझौते–

- प्रधानमंत्री मोदी और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने संयुक्त रूप से अफगान-भारत मैत्री बाँध 'सलमा डैम' का उद्घाटन किया. 1500 भारतीय और अफगानी इंजीनियरों ने मिलकर इस बाँध का निर्माण किया है. इससे 42 मेगावाट बिजली अफगानिस्तान को मिलेगी. इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बांध अफगानिस्तान का नया भविष्य लिखेगा.

कतर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जून 2016 को दोहा, कतर पहुंचे. कतर के प्रधानमंत्री शेख अब्दुल्ला बिन नासिर अल थानी ने विशेष सम्मान दिखाते हुए हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया.

समझौते–

- भारत और क़तर ने वित्तीय खुफिया जानकारी के आदान प्रदान, धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने तथा गैस संपन्न खाड़ी देश से बुनियादी ढांचे में विदेशी निवेश आकर्षित करने सहित सात समझौतों पर हस्ताक्षर किये.
- कौशल विकास और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और खेल के क्षेत्रों में सहयोग और निवेश अन्य समझौते हैं. जिन पर भारतीय और क़तर अधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमीर शेख तमीम बिन हमद की मौजूदगी में हस्ताक्षर किये.
- क़तर ने 23 भारतीय कैदियों को भी रिहा किया.

स्विट्ज़रलैंड

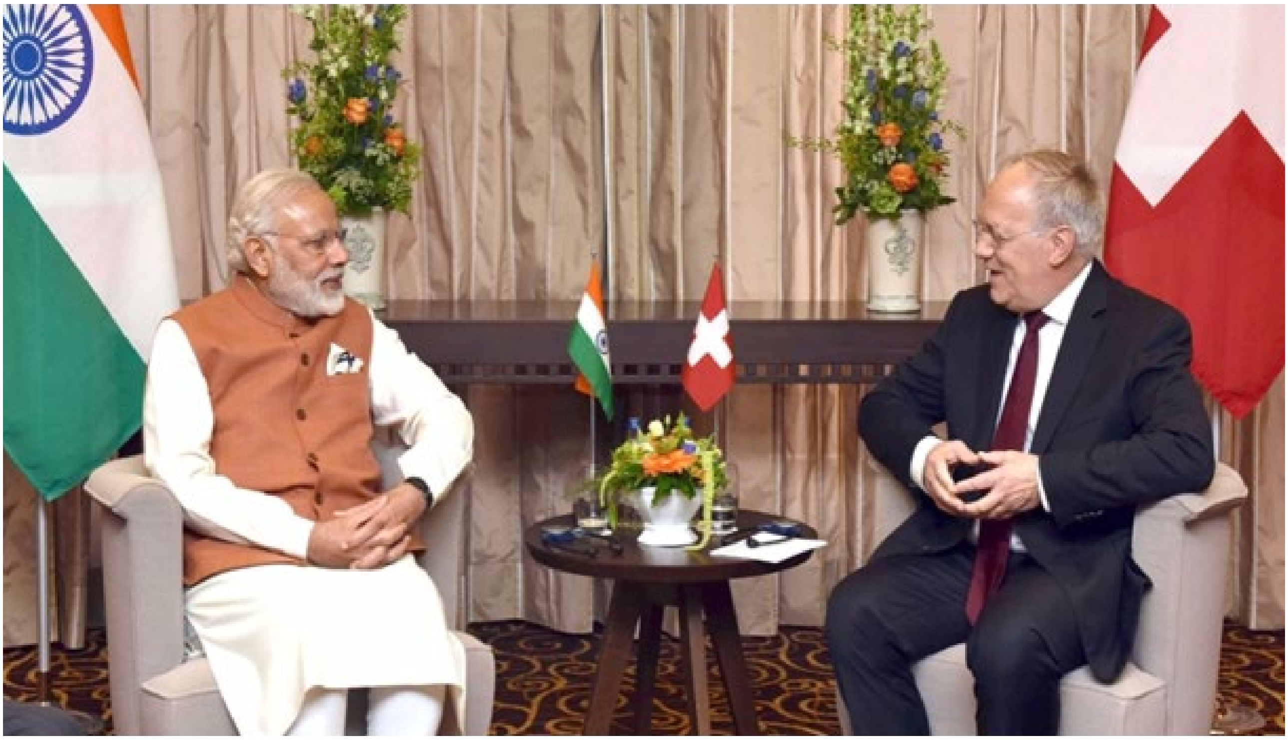

प्रधानमंत्री मोदी 5 से 6 जून 2016 के मध्य स्विट्ज़रलैंड के आधिकारिक दौरे पर रहे.प्रधानमंत्री ने जिनेवा में स्विस मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ व्यापारिक गोलमेज बैठक में मुलाकात की. इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया. प्रधानमंत्री ने स्विटजरलैंड के राष्ट्रापति श्रीइडर अम्मान्न के साथ भारत और स्विटजरलैंड के बीच बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की. इस वार्तालाप के दौरान व्यापार, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, अक्षय ऊर्जा में सहयोग पर भी चर्चा की गई.

समझौते–

- पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जोहान श्नीडर-अम्मान के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई.वार्ता के दौरान काला धन और परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) में भारत की सदस्यता पर चर्चा हुई और स्विट्जरलैंड ने समूह में भारत की सदस्यता का समर्थन किया है.पीएम मोदी ने स्विट्ज़रलैंड के शीर्ष उद्यमियों से भी मुलाकात की और उन्हें भारत में निवेश करने का आमंत्रण दिया.

अमेरिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी आधिकारिक अमेरिका यात्रा 6 से 8 जून,2016 के मध्य की तथा व्हाइट हाउस में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा से मुलाकात की. अपने तीसरे प्रमुख द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच गहरी होती जा रही सामरिक भागीदारी की समीक्षा की.जो स्वतंत्रता के साझा मूल्यों, लोकतंत्र, सार्वभौमिक मानवाधिकार, सहिष्णुता, सभी नागरिकों के लिए समान अवसर और कानून के शासन में निहित है. दोनों नेताओं ने आर्थिक विकास और सतत विकास के नए अवसरों को आगे बढ़ाने, अपने यहां व दुनिया भर में शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने,समावेशी, लोकतांत्रिक शासन को मजबूत बनाने तथा सार्वभौमिक मानवाधिकारों का सम्मान करने और साझा हित के मुद्दों पर वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने की वचनबद्धता जताई.

समझौते–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाशिंगटन में अमेरिका–भारत व्यापार परिषद् की 41वीं नेतृत्व शिखर सम्मलेन को संबोधित किया और वहां पर उपस्थित उद्यमियों को भारत में निवेश करने के लिए कहा.
- अमेरिका ने मिसाइल क्लब में भारत के प्रवेश पर मुहर लगा दी.

मैक्सिको

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव के तहत 8 जून 2016 को मैक्सिको की ऐतिहासिक यात्रा की.भारत-मैक्सिको के बीच वैश्विक सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई.

समझौते–

- व्यापार और निवेश को बढ़ाकर उनके वास्तविक क्षमता के स्तर पर लाने के लिए आर्थिक विनिमय बढ़ाने में विविधता के महत्व पर जोर दिया गया.
- दोनों देशों के बीच अधिक संपर्क विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया. बुनियादी ढांचा क्षेत्र, लघु एवं मध्यम उद्यमों के बीच, औषधीय उत्पाकदों, ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण तथा अन्य, संबंधित क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर भी बल दिया गया.
- संयुक्त राष्ट्रो में प्रभावी बहुपक्षीय प्रणाली के महत्व पर फिर बल दिया गया तथा दोनों देश संयुक्त राष्ट्रों सुरक्षा परिषद में व्याापक सुधार प्रक्रिया को समर्थन जारी रखने के महत्व पर राजी हुए.

मोजाम्बिक

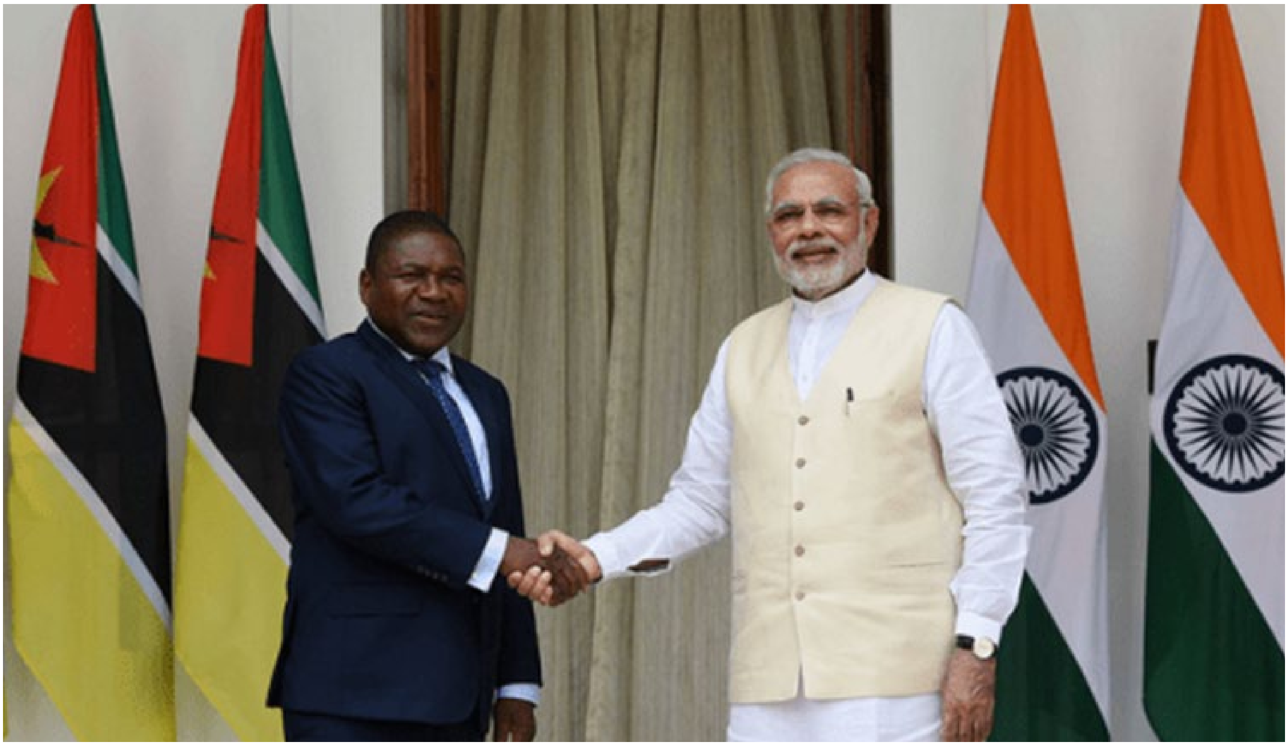

प्रधानमंत्री 7 जुलाई 2016 को मोजांबिक पहुंचे. वहां पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. पीएम का यह दौरा इस महाद्वीप के साथ संबंधों को मजबूत करने, खासकर आर्थिक रिश्तों और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को प्रगाढ़ बनाने पर केंद्रित है. यह पिछले 34 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी.

समझौते–

- दोनों देश ड्रग्स की मांग को कम करने के लिए तथा मादक दवाओं के अवैध व्यापार तथा इसे बनाने में प्रयुक्त होने वाले रसायनों पर रोक लगाने सम्बंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये.
- युवा मामलों तथा खेल से सम्बंधित समझौतों पर हस्ताक्षर.
- मोजाम्बिक से दाल की खरीद पर दीर्घकालिक समझौता किया गया.

दक्षिण अफ्रीका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई,2016 को दक्षिण अफ्रीका की प्रशासनिक राजधानी प्रिटोरिया पहुंचे जहाँ उन्हें गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेदक्षिण अफ्रीकी शहर जोहान्सबर्ग में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करते हुए कहा की भारत उम्मीद की किरण है.

समझौते–

- कला और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग के कार्यक्रम
- पर्यटन पर समझौता ज्ञापन
- विज्ञान एवं प्रद्योगिकी के मूलभूत नवाचार पर समझौता
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी पर समझौता

तंजानिया

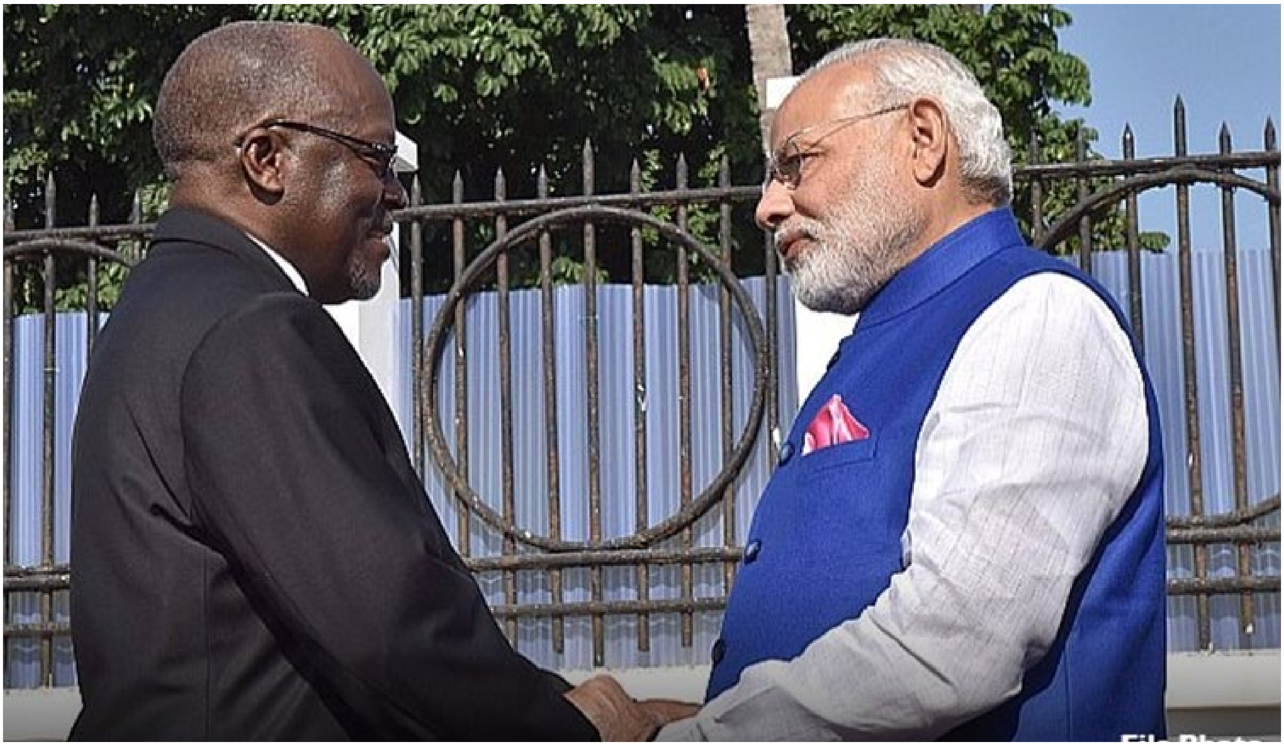

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 से 10 जुलाई 2016 के मध्य अफ्रीका महाद्वीप के देश तंजानिया की राजकीय यात्रा पर गए.

समझौते–

- जल संसाधन प्रबंधन और दोनों देशों के बीच विकास के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन.
- दोनों देशों के बीच राजनयिक/सरकारी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा छुट समझौते पर समझौता ज्ञापन.
- भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) और लघु उद्योग विकास संगठन तंजानिया के बीच (लघु उद्योग विकास संगठन) संयुक्त कार्य योजना (जेऐपी) पर समझौता.
- जंजीबार में व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए तंजानिया की सरकार और भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन.
- जंजीबार में पुनर्वास और पानी की आपूर्ति प्रणाली में सुधार के लिए अमरीकी $92 लाख की नियंत्रण रेखा.

केन्या

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 जुलाई 2016 को केन्या की राजधानी नैरोबी पहुंचे जहाँ उनका भव्य स्वागत किया गया. उन्होंने अपने भाषण में ग्लोबल वार्मिंग और आतंकवाद को सबसे बड़ी चुनौती बताया और मानवता में विश्वास करने वालों को आतंकवाद के खिलाफ एक साथ आने को कहा.

समझौते–

- राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की छुट
- रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- दोहरे कराधान से बचाव के लिए समझौता
- राष्ट्रीय आवास नीति विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में समझौता
- केन्या के लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास के लिये आईडीबी कैपिटल लिमिटेड,केन्या को 15 मिलियन डॉलर का ऋण प्रदान करने के लिए समझौता.

वियतनाम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 3 सितम्बर 2016 के मध्य वियतनाम समाजवादी गणराज्य के दो दिवसीय यात्रा पर रहे. जहाँ वियतनाम के राष्ट्रपति भवन में मोदी का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया. मोदी ने वियतनाम के प्रधानमंत्री गुयेन शुआन फुक से मुलाकात की और उनसे कई मुद्दों पर चर्चा की.

समझौता–

- शांतिपूर्ण उदेश्यों के लिये बाह्य अन्वेषण और सहयोग पर समझौता.
- दोहरे कराधान से बचने संबंधी समझौते में संसोधन के लिए प्रोटोकाल.
- संयुक्त राष्ट्र शांति मामलों में सहयोग का कार्यक्रम
- स्वास्थ्य सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- साफ्टवेयर विकास और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना पर समझौता.
- प्रधानमंत्री मोदी ने गहन रक्षा उद्योग को सुगम बनाने के उदेश्य से वियतनाम के लिए 500 मिलियन डॉलर के नए लाइन ऑफ़ क्रेडिट की घोषणा.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं–2017

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सफल विदेश दौरों को जारी रखते हुए 2017 में अपने प्रथम विदेश यात्रा के लिए श्रीलंका गए. 14वें अंतर्राष्ट्रीय वेसक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए 11 से 12 मई 2017 के बीच उनकी यह दो दिवसीय यात्रा हुई. वह श्रीलंका के राष्ट्रपति सिरीसेना के निमंत्रण पर गए.

इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मनी, स्पेन, रूस, नीदरलैंड और इजराइल जैसे देशों की सफल यात्रा की तथा भारत के हित के लिए अनेक समझौते किये . जिसमें तकनीक, रक्षा, जल संरक्षण, अंतरिक्ष, परमाणु, खेल इत्यादि क्षेत्र सम्मिलित है.

श्रीलंका

14 वें अंतर्राष्ट्रीय वेसक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए 11 से 12 मई 2017 के बीच प्रधानमंत्री ने श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा की. वह श्रीलंका के राष्ट्रपति सिरीसेना के निमंत्रण पर गए थे.

वेसक, को भारत में बुद्ध पूर्णिमा के रूप में उल्लेख करते हैं, को तिगुना पवित्र दिन माना जाता है. गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान और मृत्यु की स्मृति में यह एक पूर्णिमा का दिन है. इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1999 में आधिकारिक रूप से मान्यता मिली थी. श्रीलंका ने इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी और भारत ने भी श्रीलंका के इस पहल का समर्थन किया था.

समझौता-

- प्रधानमंत्री मोदी इस यात्रा पर मुख्य अतिथि के रूप में गए थे. इसलिए इस यात्रा पर कोई समझौता नहीं हुआ.

जर्मनी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 मई 2017 को जर्मनी पहुंचे.इस यात्रा का मकसद जर्मनी के साथ द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना और भारत में और निवेश को आकर्षित करना था.

समझौता–

- साइबर सुरक्षा
- राजनीतिक संबंधों का विकास
- सतत शहरी विकास
- डिजिटलीकरण
- कौशल विकास
- रेल सुरक्षा
- व्यावसायिक शिक्षा
- क्लस्टर प्रबंधन व भारत–जर्मन सहयोग से सम्बंधित संयुक्त आशय घोषणापत्र के साथ 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर.

स्पेन

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी स्पेन के राष्ट्रपति मरियानो राजोये के निमंत्रण पर 30 मई को स्पेन की यात्रा पर गए. यात्रा का प्रमुख उद्देश्य स्पेन के साथ आर्थिक और सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करना था.

समझौता–

- भारत और स्पेन के मध्य नागरिक उड्डयन
- स्वास्थ्य
- साइबर सुरक्षा
- अक्षय उर्जा
- सजायाफ्ता कैदियों का हस्तांतरण
- विदेश सेवा संस्थान व स्पेन की डिप्लोमेटिक अकादमी के मध्य सहयोग आदि मुद्दों पर समझौता.

रूस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 जून, 2017 को रूस की यात्रा पर पहुंचे. मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और अनौपचारिक मुलाकात के दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत की. पीएम मोदी ने पुतिन को अनौपचारिक बातचीत के लिए सोची बुलाने के लिए धन्यवाद कहा.

समझौता–

- वैश्विक सम्पदा अधिकार समझौता
- कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में पांचवी एवं छठी इकाई के निर्माण की वृहद योजना पर समझौता.
- वर्ष2017–2019 के लिए दोनों देशों के मध्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान का द्विपक्षीय समझौता.
- नागपुर-सिकंदराबाद के मध्य उच्च गति की संपर्क लाइन की व्यवहारिकता पर अध्ययन.

नीदरलैंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून,2017 को नीदरलैंड की यात्रा पर रहे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा दुनिया एक-दूसरे पर निर्भर है और एक-दूसरे से जुड़ी हुई है. हम द्विपक्षीय मुद्दों पर और दुनिया से जुड़े विभिन्न मसलों पर बात करेंगे.उन्होंने कहा, ''भारत और नीदरलैंड के बीच संबंध बहुत पुराने हैं. हमारे द्विपक्षीय संबंध बहुत मजबूत हैं.''

समझौता–

- सामाजिक सुरक्षा
- जल सहयोग
- सांस्कृतिक सहयोग के क्षेत्र में सहयोग
- आतंकवाद रोधी तथा जलवायु परिवर्तन सहित अहम वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान.

इजराइल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी4-6 जुलाई,2017 के मध्य इजराइल की यात्रा पर रहे. जहाँ उनका स्वागत मेजबान देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने किया.प्रधानमंत्री की इजराइल यात्रा बहुत ही खास थी. क्योंकि भारत के इतिहास में नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री थे जिन्होंने इजराइल की यात्रा की.

समझौता–

- भारत इजराइल औद्योगिक अनुसन्धान एवं विकास तथा तकनीकि नवाचार निधि की स्थापना के लिए समझौता.
- भारत में राष्ट्रीय जल संरक्षण अभियान हेतु समझौता
- उत्तरप्रदेश जल संरक्षण निगम और इजराइल के राष्ट्रीय अवसंरचना, उर्जा एवं जल संसाधन मंत्रालय के मध्य भारत में राज्य जल उपयोगिता सुधार पर समझौता.
- भारत–इजराइल विकास सहयोग– कृषि क्षेत्र में 3 वर्षीय कार्य योजना
- इसरो और ISA के मध्य GEO–LIO प्रकाशीय संपर्क के सहयोग के संबंध में समझौता.

पुर्तगाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 जून,2017 को पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचे . पुर्तगाल पहुंचने पर वहां प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा ने पीएम मोदी का जबरदस्त स्वागत किया गया.

समझौता–

- भारत–पुर्तगाल अंतरिक्ष गठबंधन
- नैनो प्रोद्योगिकी पर समझौता ज्ञापन
- लोक प्रशासन एवं शासन सुधार पर समझौता ज्ञापन
- सांस्कृतिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- युवा और खेल पर समझौता ज्ञापन
- उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसन्धान के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता
- जैव प्रौधोगिकी पर समझौता ज्ञापन

2 5–26 जून,2017 के मध्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी यात्रा पर रहे.अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिले.ट्रंप ने भारत को सच्चा मित्र बताया.

समझौता–

- आतंकवाद के रोकथाम पर
- H1N1 वीजा पर चर्चा
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के शीर्ष 20 प्रमुख कंपनियों के CEO से भेंट की तथा भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया.

चीन

चीन के श्यामेन में 3 सितम्बर से 5 सितम्बर 2017 के बीच 9वाँ ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित हुआ. जिसमें भाग लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन की यात्रा पर गए. 1962 के बाद भारत और चीन के रिश्ते डोकलाम मुद्दे के कारण अपने कठिनतम दौर से गुजर रहे थे.

समझौते –

- इलेक्ट्रोनिक पोर्ट नेटवर्क, ब्रिक्स राष्ट्रीय निवेश सुविधा, ई – कामर्स प्रोत्साहन, आर्थिक एवं तकनिकी सहयोग बनाने जैसी मुद्दों पर सहमति बनी.
- इस शिखर सम्मेलन में राजनीति और सुरक्षा सहयोग, पीपुल-टू-पीपुल एक्सचेंज और आर्थिक सहयोग आदि विषयों पर चर्चा की गई.
- जलवायु परिवर्तन एवं नवीकरणीय उर्जा जैसे मुद्दों को भी चर्चा में शामिल किया गया.
- भारत ने शिखर सम्मेलन में आर्थिक वृद्धि का पैमाना आँकने के लिये एक नई रेटिंग एजेंसी बनाने की बात कही, क्योंकि पश्चिमी रेटिंग एजेंसियां एशियाई देशों की रेटिंग करते समय पूर्वाग्रह से ग्रस्त रहती हैं.
- भारत द्वारा उठाए गए आतंकवाद के मुद्दे को भी इस शिखर सम्मेलन में स्थान मिला. भारत के लिये यह एक बड़ी सफलता है कि चीन की धरती से आतंकवाद विरोधी बयान सामने आया.

म्यांमार

चीन में ब्रिक्स सम्मलेन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 सितम्बर,2017 को तीन दिवसीय यात्रा पर म्यांमार पहुंचे.

समझौता–

- भारत सरकार और म्यांमार सरकार के बीच सामुद्रिक सुरक्षा सहयोग.
- भारत सरकार और म्यांमार सरकार के बीच वर्ष 2017–2020 के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम.
- भारतीय नौसेना और म्यांमार के बीच व्हाइट शिपिंग जानकारी साझा करने के लिए समझौता ज्ञापन.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं– 2018(मई तक)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 की विदेश यात्रा की शुरुआत फिलिस्तीन से की तथा भारत-फिलिस्तीन के बीच संबंधों को नया आयाम दिया तथा फिलिस्तीन को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई.

17 अप्रैल, 2018 को प्रधानमंत्री मोदी ने पहले इंडिया-नोर्डिक शिखर सम्मेलन में शिरकत की. स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड देशों को सामूहिक रूप से नोर्डिक देश भी कहा जाता है. इस लिहाज से भारत के लिए यह बड़ा मौका था कि इस क्षेत्र के 5 राष्ट्र प्रमुखों के साथ पीएम मोदी की बैठक हुई.

फिलिस्तीन

भारत और फिलिस्तीन के बीच रिश्ते को नया आयाम देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 फरवरी,2018 को फिलिस्तीन की यात्रा पर गए. वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिलिस्तीन के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया.

समझौता–

- 50 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से महिलाओं के लिए सशक्तिकरण केंद्र ''तुराथि'' के निर्माण के लिए भारत और फिलिस्तीन के बीच समझौता ज्ञापन.
- 50 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से रामल्लाह में नए राष्ट्रीय प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना के लिए भारत और फिलिस्तीन के बीच समझौता.
- मुथलाथ अल शुहाद गाँव में 10 लाख अमेरिकी डॉलर की लागत से स्कूल के निर्माण के लिए भारत और फिलिस्तीन के बीच समझौता.
- अबू दिस में जवाहरलाल नेहरु फॉर बॉयज में अतिरिक्त मंजिल के निर्माण के लिए 25 लाख अमेरिकी डॉलर की सहायता.

संयुक्त अरब अमीरात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 फरवरी 2018 को संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे जहाँ उनका भव्य स्वागत किया गया.दुबई में प्रधानमंत्री ने छठे वर्ल्ड गवर्नमेंट शिखर सम्मेलन को संबोधित किया.

समझौता–

- भारतीय संघ और एडीएनओसी के बीच समझौता ज्ञापन
- रेल मंत्रालय, भारत और संयुक्त अरब अमीरात की भूमि एवं समुद्री क्षेत्र-संघीय परिवहन प्राधिकरण के बीच समझौता.
- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और अबू धाबी सिक्योरिटीज एक्सचेंज के बीच समझौता ज्ञापन.
- जम्मू एवं कश्मीर सरकार और डीपी वर्ल्ड के बीच समझौता ज्ञापन.जिसका उद्देश्य जम्मू में गोदामों और विशेष भण्डारण समाधान सहित बहुमॉडललाजिस्टिक पार्क और केंद्र स्थापित करना हैं.

ओमान

ओमान सल्तनत और भारत गणराज्य के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों की मान्यताओं और ओमान के सुल्तान काबोस बिन सईद के निमंत्रण पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11–12 फ़रवरी 2018 को ओमान की राजकीय यात्रा पर गए.

समझौता–

- सिविल और वाणिज्यिक मामलों में क़ानूनी एवं न्यायिक सहयोग पर समझौता.
- राजनायिक, विशेष, सेवा और अधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए परस्पर वीजा छुट पर समझौता.
- स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता
- बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण सहयोग पर समझौता
- पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता
- सैन्य सहयोग पर समझौता

स्वीडन

स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन के निमंत्रण पर, भारत के प्रधानमंत्री 16-17 अप्रैल 2018 को स्वीडन गए थे. यह प्रधानमंत्री की पहली स्वीडन यात्रा थी, साथ ही यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा लगभग तीन दशकों बाद स्वीडन की यात्रा थी. 16 अप्रैल को स्टॉकहोम पहुँचने पर स्वीडन के प्रधानमंत्री लोफवेन ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया.

समझौता–

- नवाचार
- व्यापार
- स्मार्ट शहर और अगली पीढ़ी का परिवहन
- स्मार्ट, टिकाऊ और नवीकरणीय उर्जा, स्वास्थ्य और जीवन
- महिला कौशल विकास और सशक्तिकरण
- रक्षा, अंतरिक्ष और विज्ञान

डेनमार्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 अप्रैल 2018 को डेनमार्क के प्रधानमंत्री लार्स लोके रसमुसेन से मुलाकात की.

भारत और डेनमार्क के बीच समझौता–

- भारत के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और डेनमार्क के उद्योग,व्यापारऔर वित्तीय मामलों के मंत्रालय के बीच सतत और स्मार्ट शहर के विकास में सहयोग.
- भारत के कृषि कल्याण मंत्रालय के पशुपालन, डेयरी और मतस्यपालन विभाग और डेनमार्क के पर्यावरण एवं खाद्य मंत्रालय के बीच समझौता.
- भारत के खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण और डेनिश पशु चिकित्सा और खाद्य प्रशासन के बीच खाद्य सुरक्षा सहयोग पर समझौता.

ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थेरेसा मे के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 18 अप्रैल 2018 को सरकार के अतिथि के रूप में ब्रिटेन का दौरा किया.

समझौता–

- भारत और ब्रिटेन के बीच एक व्यापक साइबर-संबंध संरचना के लिए सहमति हुई.
- गंगा नदी के कायाकल्प पर स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक पर्यावरण अनुसन्धान परिषद् के बीच समझौता.
- यूके के अपनी स्वतंत्र व्यापार नीति की जिम्मेदारी लेने, दोनों दिशाओं में निवेश की सुविधा प्रदान करने और साझा या पूरक शक्तियों पर सहयोग को तेज करने के लिए नई व्यापार निति और प्रौद्योगिकी नवाचार, ज्ञान साझाकरण, क्षमता निर्माण, व्यापार और विकास निवेश तथा परियोजना स्थापित करने के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के विकास और तैनाती की लागत को कम करने पर सहयोग करने पर सहमत हुए.

चीन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने 27 अप्रैल 2018 को दो दिवसीय चीन यात्रा पर गए. प्रधानमंत्री मोदी की यह 42 दिनों में दूसरी चीन यात्रा थी.

समझौता-

- सीमा इलाकों में हालात के प्रबंधन और बचाव के लिए वर्तमान संस्थागत तंत्र को मजबूत करने का फैसला किया गया.सीमा वार्ता पर दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों को निष्पक्ष, उचित और परस्पर स्वीकार्य हल की तलाश करने के लिए अपने प्रयासों को तेज करना होगा.
- भारत और चीन ने अफगानिस्तान में एक संयुक्त आर्थिक परियोजना पर काम करने को लेकर सहमति जताई.

नेपाल

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी शर्मा ओली के निमंत्रण पर 11 से 12 मई 2018 को नेपाल की यात्रा पर रहे.

समझौता–

- विकास कार्यों के लिए नियमित रूप से विदेश मंत्री स्तर के द्विपक्षीय बैठक पर सहमति.
- व्यापार घाटे को कम करने के लिए जरुरी कदम उठाने पर बल
- दोनों देशों के प्रधानमंत्री ने आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और लोगों के आवागमन को बढ़ावा देने में उत्प्रेरक भूमिका को रेखांकित किया.
- नदी प्रशिक्षण कार्यों, प्लावन और बाढ़ प्रबंधन,सिंचाई और चल रही द्विपक्षीय परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति को बढ़ाने के क्षेत्र में समझौता.
- दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त रूप से नेपाल में 900 मेगावाट अरुण तृतीय जल विद्युत परियोजना की नींव रखी.

इंडोनेशिया

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29–30 मई, 2018 को इंडोनेशिया गणराज्य के आधिकारिक दौरे पर गए.

समझौता-

- रक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता.
- शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाहरी अंतरिक्ष की खोज और उपयोग में सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच संरचनात्मक समझौता.
- वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन.
- रेलवे क्षेत्र में तकनीकी सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन.
- स्वास्थ्य सहयोग पर भारत और इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन.

सिंगापुर

सिंगापुर गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम ली हसीन लुंग के निमंत्रण पर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई से 2 जून,2018 तक सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा की.

समझौता–

- सीईसीए की दूसरी समीक्षा के समापन पर संयुक्त वक्तव्य.
- नर्सिंग पर परस्पर मान्यता का अनुबंध.
- भारतीय नौसेना और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के बीच परस्पर समन्वय, नौसेना के जहाजों, नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों की यात्राओं के लिए लॉजिस्टिक्स और सेवाओं के समर्थन से संबंधित (जहाज वाहित उड्डयन परिसंपत्तियों सहित) कार्यान्वयन समझौता.
- भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-आईएन), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और सिंगापुर कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (एसआईएनसीईआरटी), सिंगापुर गणराज्य की साइबर सुरक्षा एजेंसी के बीच साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग समझौता ज्ञापन का विस्तार.
- नीति आयोग और सिंगापुर सहयोग उद्यम(एससीई) के बीच योजना के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन.

संदर्भ सूची - narendramodi.in, मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स, दृष्टि पत्रिका

WORLD
ECONOMIC
FORUM